संयम ◆संस्कार ◆संतुलन

R.N.I. No.-UPHIN/2004/22466

वर्ष-22 अंक- 162
पृष्ठ 8
सोमवार
02 मार्च 2026
प्रातः संस्करण
हिन्दी दैनिक
प्रयागराज
मूल्य-1.00

शहर समता

प्रयागराज से प्रकाशित Email : shaharsamta@gmail.com Website : https://Shaharsamta.com

सम्पादक-उमेश चन्द्र श्रीवास्तव

विविध- बचपन से ही बच्चों को सिखाना...

विचार- एआई शिखर सम्मेलन और कोटा...

खेल- टीम इंडिया ने हीली को क्यों...

पुडुचेरी को 2700 करोड़ की बड़ी सौगात, प्रधानमंत्री मोदी बोले-

एक मजबूत और सशक्त युवा हमारी तरक्की की नींव है

पुडुचेरी,एजेंसी। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने पुडुचेरी दौरे के दौरान 2700 करोड़ रुपये से अधिक की विभिन्न विकास परियोजनाओं का उद्घाटन और शिलान्यास किया। इस मौके पर उन्होंने कहा कि पुडुचेरी आना उनके लिए सम्मान की बात है और यह संतों, कवियों तथा स्वतंत्रता सेनानियों की भूमि रही है। उन्होंने याद दिलाया कि महाकवि सुब्रमण्यम भारती ने इसी धरती से राष्ट्रवाद की अलख जगाई थी। प्रधानमंत्री ने कहा कि जब मैं पहले यहां आया था, तो मैंने BEST पुडुचेरी का मंत्र दिया था– जिसका मतलब है बिजनेस, एजुकेशन, स्पिरिचुअलिटी और टूरिज्म। उन्होंने बताया कि पिछले साढ़े चार वर्षों में यह विजन फल दे

रहा है। पुडुचेरी में अच्छा शासन और विकास हुआ है। जब केंद्र और केंद्र शासित प्रदेश एक ही विजन और लगन से काम करते हैं, तो नतीजे तेजी से और बेहतर होते हैं। पीएम मोदी ने कहा कि देशभर में उच्च गुणवत्ता के बुनियादी ढांचे पर विशेष ध्यान दिया जा रहा है। इस वर्ष के बजट में 12 लाख करोड़ रुपये इंफ्रास्ट्रक्चर के लिए आवंटित किए गए हैं। इससे पुडुचेरी में बेहतर सड़कें, पेयजल आपूर्ति, तटीय ढांचा, स्कूल और अस्पताल जैसी सुविधाओं को मजबूती मिलेगी। उन्होंने यह भी बताया कि पुडुचेरी को कैपिटल इन्वेस्टमेंट स्कीम के तहत विशेष सहायता दी गई है, जो पहले केवल राज्यों के लिए उपलब्ध थी। इंफ्रास्ट्रक्चर के लिए ज्यादा फंडिंग का मतलब है बेहतर सड़कें, पानी की सप्लाई, कोस्टल इंफ्रास्ट्रक्चर, स्कूल, अस्पताल और ऐसे कई प्रोजेक्ट। प्रधानमंत्री ने कहा कि एक मजबूत और सशक्त युवा हमारी तरक्की की नींव है। हम सपनों को सपोर्ट करने के लिए काम कर रहे हैं। एनआईटी कराईकल में नया डॉ. एपीजे अब्दुल कलाम इंजीनियरिंग ब्लॉक और मॉडर्न हॉस्पिटल की सुविधाएं कई स्टूडेंट्स के लिए टेक्निकल एजुकेशन को मजबूत करेंगी। पुडुचेरी विश्वविद्यालय में भी आधारभूत ढांचे का विस्तार किया गया है। उन्होंने कहा कि आज दुनिया ऐसी मोबिलिटी पर फोकस कर रही है जो ज्यादा साफ और ग्रीन हो। इलेक्ट्रिक गाड़ियां हमारी जिंदगी का एक जरूरी हिस्सा बन गई हैं। पुडुचेरी जैसे टूरिज्म हब में, इलेक्ट्रिक बसें प्रदूषण कम करने के लिए गेम-चेंजर हो सकती हैं। पीएम ई-बस सेवा के तहत, इलेक्ट्रिक बसें दी जा रही हैं। आज हमारे प्रोग्राम से जुड़े हाउसिंग प्रोजेक्ट्स परिवारों को स्टेबिलिटी और डिग्निटी देंगे। पूरे पुडुचेरी में कई सौ करोड़ के प्रोजेक्ट्स हैं। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कहा श्डबल इंजन सरकार जो अच्छा काम कर रही है, उसका जश्न मनाना जरूरी है। लेकिन यह भी याद रखना जरूरी है कि पहले हालात कैसे थे। कांग्रेस-डीएमके के राज में पुडुचेरी के लोगों को बहुत तकलीफ हुई। वे साल पॉलिटिकल अस्थिरता, करप्शन, क्राइम और गरीबों की तकलीफ से भरे थे।

अश्विनी वैष्णव ने पेश किया नया विजन, कहा-

भारत में अब चिप डिजाइन और डीप टेक स्टार्टअप्स पर होगा जोर

गांधीनगर,एजेंसी। केंद्रीय मंत्री अश्विनी वैष्णव ने रविवार को गुजरात सेमीकनेक्ट कॉन्फ्रेंस 2026 में देश के भविष्य को लेकर बड़ा रोडमैप पेश किया। उन्होंने कहा कि भारत का सेमीकंडक्टर मिशन अब अपने दूसरे चरण यानी सेमीकॉन 2.0 में प्रवेश कर रहा है। इस नए चरण का मुख्य फोकस डीप टेक स्टार्टअप्स को बढ़ावा देना और देश में एक मजबूत डिजाइन इकोसिस्टम तैयार करना है। अश्विनी वैष्णव ने बताया कि सेमीकॉन 1.0 का मुख्य लक्ष्य भारत में मैन्युफैक्चरिंग यूनिट्स लगाना था। सरकार को इसमें बड़ी सफलता मिली है। अब देश में कुल 10 प्लांट हैं। इनमें से पहले प्लांट ने कल से

कमर्शियल उत्पादन शुरू कर दिया है और दूसरा प्लांट भी बहुत जल्द काम शुरू कर देगा। मंत्री ने कहा कि सेमीकॉन 2.0 पिछले चरण से काफी अलग होगा। अब सरकार चाहती है कि भारतीय स्टार्टअप्स दुनिया की दिग्गज कंपनियों जैसे क्वालकॉम, ब्रॉडकॉम और एनवीडिया की तरह पहचान बनाएं। उन्होंने स्वीकार किया कि यह सफर चुनौतीपूर्ण है, लेकिन सरकार इसके लिए पूरी तरह तैयार और व्यावहारिक है। अगले चरण में सरकार का जोर सिर्फ चिप बनाने पर ही नहीं, बल्कि इसके लिए जरूरी मशीनों और उपकरणों के निर्माण पर भी होगा। भारत में ही टेस्टिंग और वैलिडेशन की सुविधाएं विकसित की जाएंगी।

खामेनेई की मौत पर संजय सिंह ने कहा-

भारत ने एक भरोसेमंद दोस्त खो दिया

नई दिल्ली, एजेंसी। आम आदमी पार्टी के राज्यसभा सांसद संजय सिंह ने ईरान के सर्वोच्च नेता अयातुल्ला अली खामेनेई की हत्या पर प्रतिक्रिया व्यक्त करते

हुए इसे एक युग का अंत बताया और भारत-ईरान के ऐतिहासिक संबंधों पर प्रकाश डाला। अपने पोस्ट में सिंह ने लिखा कि जिनके पूर्वज भारत से हैं, उनके लिए अयातुल्ला खुमैनी का ईरान का सर्वोच्च नेता बनना एक युग का अंत है। भारत ने एक भरोसेमंद दोस्त खो दिया है। खुमैनी जी को मेरी विनम्र श्रद्धांजलि। ईरान भारत का पारंपरिक सहयोगी रहा है। इसने हमेशा पाकिस्तान के खिलाफ मतदान किया है और भारत का साथ दिया है। इसने भारत को ऊर्जा सुरक्षा प्रदान की है। उन्होंने आगे कहा कि संकट की इस घड़ी में, भारत सरकार को अपना रुख स्पष्ट करना चाहिए, अन्यथा वैश्विक तानाशाह अमेरिका का अत्याचार पूरी दुनिया में फैल जाएगा। इस बीच, ईरानी सरकारी मीडिया के अनुसार, अयातुल्ला अली खामेनेई के निधन के बाद ईरान में 40 दिनों का सार्वजनिक शोक मनाया जा रहा है। शनिवार को अमेरिका और इजराइल द्वारा किए गए हमलों (ऑपरेशन एपिक फ्यूरी/लायंस रोर) के बाद उनका निधन हुआ। देश के सर्वोच्च नेता के कार्यालय ने राष्ट्रीय शोक की घोषणा की है, जिसके तहत झंडे आधे झुके रहेंगे और श्रद्धांजलि अर्पित करने के लिए सार्वजनिक सभाओं का आयोजन किया जाएगा। यह इस्लामी गणराज्य के इतिहास के 37 साल के एक अध्याय के समापन का प्रतीक है। अयातुल्ला खामेनेई क्रांति के संस्थापक रुहोल्लाह खुमैनी के उत्तराधिकारी थे। 1989 से उनका गद्दा पश्चिमी प्रभाव के खिलाफ अटूट प्रतिरोध का प्रतीक रहा है। अधिकारियों ने अशांति को रोकने और सार्वजनिक सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए पूरे देश में, विशेष रूप से तेहरान जैसे प्रमुख शहरों में, सुरक्षा बढ़ा दी है।

विजयन की प्रधानमंत्री मोदी से अपील-

खाड़ी में भारतीयों की सुरक्षा हो सुनिश्चित

तिरुवनंतपुरम,एजेंसी। केरल के मुख्यमंत्री पिनारयी विजयन ने रविवार को खाड़ी देशों में मौजूदा स्थिति पर गहरी चिंता व्यक्त की और राज्य के प्रवासी भारतीयों पर इसके संभावित प्रभाव पर प्रकाश डाला। मुख्यमंत्री ने कहा कि उन्होंने नरेंद्र मोदी को पत्र लिखकर केंद्र सरकार से खाड़ी देशों में रहने वाले भारतीय नागरिकों, विशेषकर केरलवासियों के हितों की रक्षा और सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए आवश्यक राजनयिक कदम उठाने का आग्रह किया है। उन्होंने कहा कि खाड़ी देशों में मौजूदा स्थिति बेहद चिंताजनक है। केरल की बात करें तो इन देशों में बड़ी संख्या में प्रवासी भारतीय रहते हैं। इसलिए मैंने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को पत्र लिखकर खाड़ी क्षेत्र में चिंताओं को दूर करने के लिए उनके हस्तक्षेप का अनुरोध किया है। 28 फरवरी को ऑपरेशन एपिक फ्यूरीध्लायंस रोर के तहत अमेरिका और इजराइल ने ईरान पर हमले किए, जिनमें ईरान के सर्वोच्च

नेता अयातुल्ला अली खामेनेई की हत्या कर दी गई। इसके अलावा, तसनीम समाचार एजेंसी ने बताया कि तेहरान में अमेरिका और इजराइल के आतंकवादी हमलों में कई उच्च पदस्थ ईरानी सैन्य कमांडरों के मारे जाने की पुष्टि हुई है। एक बयान के अनुसार, अमेरिकी और इजराइली हमले में ईरान की रक्षा परिषद की बैठक में शहीद हुए लोगों में ईरानी सशस्त्र बलों के चीफ ऑफ स्टाफ मेजर जनरल अब्दोलरहीम मूसावी, इस्लामिक रिवोल्यूशन गार्ड्स कोर (आईआरसीजी) के कमांडर मेजर जनरल मोहम्मद पाकपुर, ईरान की रक्षा परिषद के सचिव अली शमखानी और ईरानी रक्षा मंत्री ब्रिगेडियर जनरल अजीज नासिरजादेह शामिल थे।

ईरान ने भी जवाबी कार्रवाई करते हुए इजराइल के कब्जे वाले क्षेत्रों और क्षेत्र में अमेरिकी ठिकानों पर बड़े पैमाने पर मिसाइल और ड्रोन हमले किए। ईरान के राष्ट्रपति मसूद पेजेश्कियन ने रविवार को कहा कि अमेरिकी और इजरायली हमलों में सर्वोच्च नेता अयातुल्ला अली खामेनेई की हत्या मुसलमानों के खिलाफ युद्ध की घोषणा थी। इस बीच, बहरीन के राष्ट्रीय संचार केंद्र ने रविवार को घोषणा की कि देश की वायु रक्षा प्रणालियों ने ईरान द्वारा दागी गई बैलिस्टिक मिसाइलों और ड्रोनों की एक नई लहर को सफलतापूर्वक रोक दिया है। खलीज टाइम्स ने यह जानकारी दी।

इस प्रकाशन ने यह भी बताया कि कतर ने ओमान के दुक्म बंदरगाह और उसके तट से दूर एक तेल टैंकर को निशाना बनाकर किए गए ईरानी हमलों की कड़ी निंदा की है। अधिकारियों ने इन हमलों को ओमान की संप्रभुता का उल्लंघन और ष्अस्वीकार्य तनावष बताया। उन्होंने कहा कि ये हमले उस देश को निशाना बनाकर किए गए थे जो ईरान और अंतरराष्ट्रीय समुदाय के बीच संकट को सुलझाने के लिए सक्रिय रूप से मध्यस्थता कर रहा है। खलीज टाइम्स ने कुवैती वायु रक्षा बल के हवाले से यह भी बताया कि उन्होंने रविवार सुबह कई शत्रुतापूर्ण हवाई लक्ष्यों का सफलतापूर्वक सामना किया।

जयराम रमेश ने कहा- मोदी सरकार की विदेश नीति बेनकाब

नई दिल्ली, एजेंसी। कांग्रेस महासचिव जयराम रमेश ने रविवार को केंद्र की विदेश नीति पर तीखा हमला करते हुए इसे पूरी तरह बेनकाब बताया और अमेरिका-पाकिस्तान संबंधों से लेकर चीन और हालिया ईरान संकट से निपटने तक की विफलताओं को गिनाया। एक्स पर एक विस्तृत पोस्ट में रमेश ने कहा कि स्वयंभू विश्वगुरु के नेतृत्व में भारत की विदेश नीति पूरी तरह बेनकाब हो चुकी है, भले ही प्रधानमंत्री के समर्थकों ने इस पर कितना भी दिखावा किया हो। उन्होंने आरोप लगाया कि अमेरिका पाकिस्तान के साथ घनिष्ठ संबंध बनाए हुए है और आतंकी हमलों और क्षेत्रीय तनाव के संदर्भ में की गई टिप्पणियों पर चिंता व्यक्त की। रमेश ने कहा कि अमेरिकी राष्ट्रपति पाकिस्तान के साथ अपना प्रेम संबंध जारी रखे हुए हैं और बार-बार उसी व्यक्ति की प्रशंसा कर रहे हैं जिसकी भड़काऊ टिप्पणियों ने 22 अप्रैल, 2025 को पहलगाम में हुए आतंकी हमलों की पृष्ठभूमि तैयार की थी। अमेरिका ने अफगानिस्तान पर पाकिस्तान के युद्ध का खुलकर समर्थन भी किया है। रमेश ने मई 2025 में ऑपरेशन सिंदूर को रोकने में अमेरिकी नेतृत्व की भूमिका के दावों पर सरकार की प्रतिक्रिया पर भी सवाल उठाया और कहा कि प्रधानमंत्री ने इन दाव उन्होंने

कहा कि अमेरिकी राष्ट्रपति ने कम से कम सौ बार दावा किया है कि उन्होंने भारत के अमेरिकी निर्यात पर टैरिफ बढ़ाने की धमकी देकर 10 मई, 2025 को ऑपरेशन सिंदूर को रोकने के लिए हस्तक्षेप किया था। लेकिन प्रधानमंत्री राष्ट्रपति ट्रंप के इन दावों पर पूरी तरह से चुप हैं। ऑपरेशन सिंदूर को रोकने की पहली घोषणा अमेरिकी विदेश मंत्री मार्को रुबियो ने 10 मई, 2025 को शाम 5रू37 बजे की थी।

एसआईआर में हटाए गए 50 लाख से ज्यादा घुसपैठिए के नाम- नवीन

कोलकाता,एजेंसी। पश्चिम बंगाल में वोटर लिस्ट के विशेष सुधार (एसआईआर) के बाद एक बड़ा बदलाव सामने आया है। इस लिस्ट से करीब 63.66 लाख नाम हटा दिए गए हैं। इस पर भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष नितिन नवीन ने रविवार को कूच बिहार में बड़ा दावा किया। उन्होंने कहा कि वोटर लिस्ट से 50 लाख से ज्यादा घुसपैठियों को बाहर कर दिया गया है। उन्होंने साफ शब्दों में कहा कि अब राज्य में अवैध प्रवासियों का समय खत्म हो चुका है। कूच बिहार में पार्टी की पोरिबोर्तन यात्रा को हरी झंडी दिखाते हुए नवीन ने राज्य सरकार पर गंभीर आरोप लगाए। उन्होंने कहा कि ये घुसपैठिए असली नागरिकों के हक की सरकारी नौकरियों और योजनाओं का फायदा उठा रहे थे।

कोर्ट से बरी होने के बाद गरजे केजरीवाल, बोले-

कोर्ट का फैसला भाजपा के मुंह पर तमाचा

नई दिल्ली, एजेंसी। आम आदमी पार्टी (आप) के राष्ट्रीय संयोजक अरविंद केजरीवाल ने रविवार को जंतर-मंतर पर एक रैली को संबोधित करते हुए अदालत के हालिया फैसले की सराहना की, जिसे उन्होंने राष्ट्रीय राजधानी दिल्ली और देश की जनता के हित में बताया। दो दिन पहले सुनाए गए अदालती आदेश का जिक्र करते हुए केजरीवाल ने कहा कि परसों दिल्ली की एक अदालत ने दिल्ली और देश की जनता के पक्ष में एक ऐतिहासिक फैसला सुनाया। मैं दिल्ली और देश की जनता को बधाई देना चाहता हूं। मैं न्यायाधीश को धन्यवाद देना चाहता हूं। आज के भय के माहौल में न्यायाधीश ने इतना साहसिक फैसला सुनाया है।

यह रैली दिल्ली की अदालत द्वारा केजरीवाल, दिल्ली के पूर्व मंत्री मनीष सिसोदिया और 21 अन्य लोगों को दिल्ली आबकारी

पुलिस मामले में बरी किए जाने के बाद आयोजित की गई। केजरीवाल ने आरोप लगाया कि पिछले चार वर्षों से प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह उनके और उनकी पार्टी के खिलाफ साजिश रच रहे थे। उन्होंने कहा कि चार साल तक मोदी जी और अमित शाह ने दिल्ली की जनता को परेशान करने की साजिश रची। उन्होंने कहा कि केजरीवाल भ्रष्ट हैं, केजरीवाल ने 100 करोड़ रुपये लिए हैं, उन्होंने जनता को तंग किया। जज ने फैसला सुनाया है कि मोदी जी, आप झूठ बोल रहे हैं, मामला फर्जी है और केजरीवाल ईमानदार हैं। वकील कह रहे हैं कि ऐसा फैसला सदियों बाद आया है।

भाजपा नेतृत्व पर निशाना साधते हुए दिल्ली के पूर्व मुख्यमंत्री ने आगे कहा कि आप को खत्म करने के लिए मोदी जी खुद इस मामले की निगरानी कर रहे थे। लेकिन यह फैसला मोदी जी, अमित शाह और भाजपा के मुंह पर करारा तमाचा है।

प्रियंका गांधी बोलीं-

आंख के बदले आंख दुनिया को अंधा बना देगी

नई दिल्ली, एजेंसी। कांग्रेस की वरिष्ठ नेता और सांसद प्रियंका गांधी वाड्रा ने रविवार को ईरान के सर्वोच्च नेता अयातुल्ला अली खामेनेई की हत्या को घृणित बताया और कहा कि अमेरिका और इजरायल द्वारा ईरान पर किए गए हमले स्पष्ट रूप से निंदा के योग्य हैं। एक्स पर एक पोस्ट में, गांधी ने कहा कि लोकतांत्रिक दुनिया के तथाकथित नेताओं द्वारा एक संप्रभु राष्ट्र के नेतृत्व की लक्षित हत्या और असंख्य निर्दोष लोगों की हत्या घृणित है और इसकी कड़ी निंदा की जानी चाहिए, चाहे इसका घोषित कारण कुछ भी हो। उन्होंने आगे कहा कि दुखद रूप से, अब कई राष्ट्र इस संघर्ष में घसीटे जा रहे हैं। महात्मा गांधी के कथन श्आंख के बदले आंख पूरी दुनिया को अंधा कर देती हैश को याद करते हुए, प्रियंका गांधी ने कहा कि दुनिया को शांति की जरूरत है, अनावश्यक युद्धों की नहीं। उन्होंने ग पर कहा कि मुझे उम्मीद है कि इजराइल के प्रधानमंत्री और राष्ट्रपति ट्रम्प के सामने घुटने टेकने के बाद, हमारे प्रधानमंत्री प्रभावित देशों

में फंसे सभी भारतीय नागरिकों को सुरक्षित वापस लाने के लिए हर संभव प्रयास करेंगे। इससे पहले दिन में, आम आदमी पार्टी के राज्यसभा सांसद संजय सिंह ने ईरान के सर्वोच्च नेता अयातुल्ला अली खामेनेई की हत्या पर प्रतिक्रिया व्यक्त करते हुए इसे एक युग का अंत बताया और भारत और ईरान के ऐतिहासिक संबंधों पर प्रकाश डाला।

एक्स पोस्ट में सिंह ने लिखा कि जिनके पूर्वज भारत से हैं, उनके लिए अयातुल्ला खुमैनी का ईरान का सर्वोच्च नेता बनना एक युग का अंत है। भारत ने एक भरोसेमंद दोस्त खो दिया है। खुमैनी जी को मेरी विनम्र श्रद्धांजलि। ईरान भारत का पारंपरिक सहयोगी है। इसने हमेशा पाकिस्तान के खिलाफ मतदान किया है और भारत के साथ खड़ा रहा है। इसने भारत को ऊर्जा सुरक्षा प्रदान की है।" उन्होंने आगे कहा, "संकट की इस घड़ी में, भारत सरकार को अपना रुख स्पष्ट करना चाहिए, वैश्विक तानाशाह अमेरिका का अत्याचार पूरी दुनिया में फैलेगा। इस बीच, ईरानी सरकारी मीडिया के अनुसार, अयातुल्ला अली खामेनेई के निधन पर ईरान में 40 दिनों का सार्वजनिक शोक मनाया जा रहा है।

एसटीएफ ने 50 हजार के इनामी को प्रतापगढ़ से किया गिरफ्तार, गोहत्या का केस है दर्ज

प्रयागराज। प्रयागराज एसटीएफ की टीम ने 50 हजार के इनामी मोहम्मद आमिर को गिरफ्तार कर लिया। उसकी गिरफ्तारी प्रतापगढ़ के देल्हूपुर से हुई है। मऊआइमा के केशवपुर उर्फ बागी गांव निवासी आमिर के खिलाफ गोतस्करी, गोहत्या समेत कई धाराओं में मुकदमा दर्ज किया गया है। प्रयागराज एसटीएफ की टीम ने 50 हजार के इनामी मोहम्मद आमिर को गिरफ्तार कर लिया। उसकी गिरफ्तारी प्रतापगढ़ के देल्हूपुर से हुई है। मऊआइमा के केशवपुर उर्फ बागी गांव निवासी आमिर के खिलाफ गोतस्करी, गोहत्या समेत कई धाराओं में मुकदमा दर्ज किया गया है। पुलिस काफी समय से इसकी तलाश कर रही है। फरार चल रहे आमिर पर पुलिस ने 50 हजार का इनाम घोषित किया था।

आटो चालक व उसके साथियों ने सवारी के उड़ाए गहने

प्रयागराज। ऑटो चालक व उसके दो साथियों ने मिलकर एक व्यक्ति के लाखों के गहने चोरी कर लिए। घटना 26 फरवरी की है। पीड़ित ने औद्योगिक क्षेत्र थाने में एफआईआर दर्ज कराई है। नैनी के एडीए शिवाजी पार्क निवासी सत्येंद्र दुबे अपनी पत्नी और बच्चों के साथ एडीए मोड़ से ऑटो में बैठकर कहीं जा रहे थे। दर्ज एफआईआर के अनुसार ऑटो में चालक के साथ उसके दो दोस्त भी साथ थे। वह सभी बारी–बारी से ऑटो चला रहे थे। मिर्जापुर मार्ग के मुंगारी टोल प्लाजा के पास ऑटो खराब बताकर उन्हें उतार दिया और बिना पैसे लिए ही वहां से चले गए। शक होने पर जब सामान चेक किया तो लाखों के गहने गायब थे। पीड़ित की एफआईआर पर पुलिस मामले की जांच कर रही है।

दूल्हे को पड़ा दौरा, दुल्हन ने विदाई से पहले रोकी शादी

प्रयागराज। शादी की खुशियां उस समय सन्नाटे में बदल गईं, जब विदाई से ठीक पहले दूल्हे को दौरा पड़ गया। इस दौरान परिजनों ने तुरंत उसे संभाला। घटना से शादी समारोह में अफरातफरी मच गई और दोनों पक्षों के लोग स्तब्ध रह गए। बाद में दुल्हन ने विदाई से पहले शादी रोक दी। बहरिया क्षेत्र की युवती का विवाह प्रतापगढ़ जिले के पट्टी क्षेत्र के एक गांव निवासी युवक से तय हुआ था। बृहस्पतिवार रात बरात पहुंची। द्वारचार, जयमाल और सात फेरे संपन्न हुई। सुबह विदाई की तैयारी के बीच दूल्हे की तबीयत बिगड़ गई। इसके बाद दुल्हन ने परिस्थितियों को देखते हुए ससुराल जाने से इन्कार कर दिया। दोनों पक्षों के बीच काफी देर तक बातचीत चली। अंततः आपसी सहमति से विवाह को निरस्त मान लिया गया। बरात बिना दुल्हन के लौट गई।

खुरपका–मुंहपका से दो भैंस व एक गोवंश की मौत

प्रयागराज। क्षेत्र के इब्राहीमपुर गांव में खुरपका–मुंहपका (एफएमडी) बीमारी का प्रकोप तेजी से फैल रहा है। अब तक दो भैंस और एक गोवंश की मौत हो चुकी है। जबकि कई मवेशी जीवन और मृत्यु के बीच जूझ रहे हैं। समय पर उपचार न मिलने के कारण ननकऊ यादव और गुड्डी यादव की एक भैंस व एक गोवंश ने दम तोड़ दिया। पशु चिकित्साधिकारी के अवकाश पर होने के चलते फार्मासिस्ट उमेश चौबे ने कहा कि पशुपालक अस्पताल में आकर पशुओं की बीमारी का लक्षण बताकर दवा ले जाकर उपचार करें, लंबे क्षेत्र में गांव–गांव पहुंचना संभव नहीं है।

कार में बैठे व्यक्ति पर रॉड से हमला

प्रयागराज। मऊआइमा थाना क्षेत्र के ग्राम अलावलपुर निवासी साबिर अली का आरोप है कि वह अपने भतीजे नवरेज और नयाब के साथ कार में बैठ कर शनिवार शाम को थाना पड़ाव आ रहा था। आरोप है कि जैसे ही वह ग्राम घूघाट के निकट पहुंचा तभी विपक्षी एक राय होकर लाठी–डंडा तमंचा लेकर घेर लिया। इसके बाद रॉड से जान से मारने की धमकी दी।

साबिर अली का आरोप है कि जब कार तेजी से उसके भतीजे ने आगे बढ़ाया तो मुझ पर भी रॉड से हमला कर दिया गया। इससे रॉड कार के शीशे में फंस गया। हालांकि, वह बाल–बाल बच गए। साबिर अली ने मऊआइमा थाने में चार आरोपियों को नामजद करते हुए चार अज्ञात के खिलाफ तहरीर दी है। पुलिस ने तहरीर के आधार पर मामले की जांच कर रही है।

कार की टक्कर से स्कूटी सवार दो जख्मी

प्रयागराज। बहरिया नहर चौराहे पर शनिवार की शाम तेज रफ्तार कार की टक्कर से स्कूटी सवार पूर्व प्रधान समेत दो लोग जख्मी हो गए। एक की हालत गंभीर होने पर शहर के लिए रेफर किया गया है। महुली गांव निवासी सुनील कुमार पांडेय नारायणपुर निवासी पूर्व प्रधान प्रमोद त्रिपाठी के साथ स्कूटी से वैवाहिक कार्यक्रम में शामिल होने के लिए बहरिया गेस्ट हाउस जा रहे थे। जैसे ही बहरिया नहर चौराहा के पास पहुंचे कि विपरीत दिशा से आ रही तेज रफ्तार कार ने स्कूटी में टक्कर मार दी। हादसे में दोनों लोग घायल हो गए। थानाध्यक्ष बहरिया ब्रजेश सिंह ने घायलों को उपचार हेतु सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र मैलहा भेजा। जहां सुनील पांडेय को जिला अस्पताल रेफर कर दिया गया।

गांव के विकास से ही प्रदेश को मिलेगी मजबूती : सांसद डॉ. विनोद

प्रयागराज। धनुपुर ब्लॉक परिसर में क्षेत्र पंचायत निधि से कराए गए निर्माण कार्यों का उद्घाटन व होली मिलन समारोह का आयोजन किया गया। सांसद भदोही डॉ. विनोद कुमार बिंद एवं जिला पंचायत

प्रयागराज के अध्यक्ष डॉ. वीके सिंह ने निर्मित कार्यों का उद्घाटन किया गया। सांसद ने कहा कि गांव के विकास से ही देश व प्रदेश को मजबूती मिलेगी। मौके पर ब्लॉक प्रमुख ज्योति यादव, जिलाध्यक्ष अपना दल भानुप्रताप सिंह पटेल, बालकृष्ण शुक्ल, बालकृष्ण तिवारी, मनोज यादव, मनोज बिंद, राकेश दुबे, विजय सिंह आदि रहे।

मुकदमा हारने के बाद जान से मारने का आरोप

प्रयागराज। उतरांव थाना क्षेत्र के संबोधिपुर गांव निवासी मोहम्मद इब्राहिम उर्फ परवेज ने गांव के एक दबंग पर कोर्ट से मुकदमा हारने के बाद जान से मारने की धमकी देने का आरोप लगाया है। पीड़ित ने समाधान दिवस उतरांव में नामजद प्रार्थना पत्र देकर कानूनी कार्रवाई की मांग की है। पीड़ित ने डीएम, पुलिस आयुक्त प्रयागराज, मुख्यमंत्री को प्रार्थना पत्र देकर न्याय की गुहार लगाई है।

रमजान में घर आए मुदब्बिर, पत्नी ईरान में रह गई, अब सुरक्षा की चिंता

प्रयागराज। ईरान में प्रयागराज से भी बड़ी संख्या में लोग रह रहे हैं। वहां अचानक हुए इस्राइली व अमेरिकी हमले के बाद प्रयागराज के लोगों को अब अपनों की सुरक्षा की चिंता सताने लगी है। हुई थी, वह सुरक्षित हैं। वहीं, रानीमंडी प्रयागराज निवासी मौलाना जीशान हैदर अपनी पत्नी व बेटे की सुरक्षा को लेकर चिंतित हैं। मौलाना हैदर हर शहर में रह रहे हैं। कुम में भी हमला हुआ है, लेकिन शहर अभी सुरक्षित है। कुम के बाहरी हिस्से में हमले ने उनकी चिंता बढ़ा दी है। वहां की सरकार ने मोहम्मद कैफी भी ईरान के कुम शहर में रहकर एक मदरसे में अरबी–फारसी की पढ़ाई कर रहे हैं। वहीं, प्रयागराज में शिया समुदाय के प्रख्यात स्कॉलर

ईरान में प्रयागराज से भी बड़ी संख्या में लोग रह रहे हैं। वहां अचानक हुए इस्राइली व अमेरिकी हमले के बाद प्रयागराज के लोगों को अब अपनों की सुरक्षा की चिंता सताने लगी है। कई परिवार ऐसे भी हैं, जिनके कुछ सदस्य रमजान में प्रयागराज आए हैं और परिवार के बाकी लोग ईरान में ही फंसे रह गए हैं। वर्तमान में प्रयागराज के 30 से 35 लोग ईरान में हैं।

इन्हीं में से एक हैं हंडिया के भोपतपुर गांव निवासी मौलाना मुदब्बिर हुसैन जो रमजान में घर आए हुए हैं। उनकी पत्नी कनीज बानो ईरान के कुम शहर के एक मदरसा में पढ़ाती हैं और पीएचडी स्कॉलर हैं। मुदब्बिर अपनी पत्नी की सुरक्षा को लेकर चिंतित हैं। कनीज बानो के भांजे औन प्रतापगढ़ी ने बताया कि शनिवार दोपहर मौसी से बातचीत साल रमजान में यहां बक्शी बाजार में नमाज पढ़ाने आते हैं और इस बार भी इसी सिलसिले में यहां आए हुए हैं। उन्होंने बताया कि दोपहर बाद ईरान में इंटरनेट बंद कर दिया गया, जिसकी वजह से पत्नी व बेटे से बात नहीं हो पा रही है।

वह अपने परिवार के साथ एक दशक से ईरान के कुम गाइडलाइन जारी की है। लोग घर में ही नमाज और दुआ कर रहे हैं। इसी तरह ईरान के कुम शहर के एक मदरसे में अरबी–फारसी की उच्च शिक्षा ग्रहण कर रहे भोपतपुर हंडिया निवासी कुशा अली के परिवार के लोग भी उनकी सुरक्षा को लेकर परेशान हैं।

भोपतपुर हंडिया निवासी रहे मौलाना जीशान हैदर जवादी के नवासे सज्जाद हैदर भी ईरान के कुम शहर में रहकर पढ़ाई कर रहे हैं। दमगढ़ा हंडिया के मोहम्मद रिजवान भी ईरान में फंसे हैं। इन सभी लोगों के परिवार वाले इनकी सुरक्षा को लेकर चिंतित हैं और उनका पूरा दिन टीवी के सामने समाचार देखने में बीत रहा है।

एफआईआर में बिना कारण देरी कानूनी प्रक्रिया का दुरुपयोग, गबन के आरोपी कर्मचारी की गिरफ्तारी पर रोक

प्रयागराज। इलाहाबाद हाईकोर्ट ने कहा कि एफआईआर दर्ज करने में बिना कारण देरी न केवल दुर्भावनापूर्ण कार्रवाई है, बल्कि कानूनी प्रक्रिया का दुरुपयोग भी है। यह देरी घटना की सत्यता पर गंभीर प्रश्नचिह्न खड़ा करती है।

इलाहाबाद हाईकोर्ट ने कहा कि एफआईआर दर्ज करने में बिना कारण देरी न केवल दुर्भावनापूर्ण कार्रवाई है, बल्कि कानूनी प्रक्रिया का दुरुपयोग भी है। यह देरी घटना की सत्यता पर गंभीर प्रश्नचिह्न खड़ा करती है। इस टिप्पणी के साथ न्यायमूर्ति राजीव मिश्रा और न्यायमूर्ति लक्ष्मीकांत शुक्ला की खंडपीठ ने गबन के आरोपी याची रितिक विश्वकर्मा की गिरफ्तारी पर अगले आदेश तक

रोक लगा दी। साथ ही राज्य सरकार और शिकायतकर्ता से छह हफ्ते में जवाब तलब किया है। मामला बांदा के कोतवाली नगर थाना क्षेत्र का है। इंडसइंड बैंक की सहायक कंपनी भारत फाइनेंशियल इंक्लूजन लिमिटेड के प्रबंधक धीरज कुमार पांडेय ने कर्मचारी रितिक विश्वकर्मा के खिलाफ गबन के आरोप में एफआईआर दर्ज कराई थी। गिरफ्तारी से बचने के लिए याची ने हाईकोर्ट का दरवाजा खटखटाया। याची के अधिवक्ता ने दलील दी कि मामले में घटना 15 जून 2024 की दर्शायी गई है, जबकि एफआईआर 24 अप्रैल 2025 को करीब 10 महीने की देरी से दर्ज की गई। इसका कोई स्पष्टीकरण भी नहीं दिया गया है। कोर्ट ने कहा कि बिना किसी ठोस स्पष्टीकरण के एफआईआर दर्ज करने में विलंब करना शिकायत की सत्यता पर गंभीर प्रश्नचिह्न खड़ा करता है। कानून का इस्तेमाल न्याय के लिए होना चाहिए, न कि किसी को प्रताड़ित करने के हथियार के रूप में।

किसी मामले में दिन–प्रतिदिन सुनवाई का आदेश दिया जाए तो उसका अक्षरशः पालन हो

प्रयागराज। इलाहाबाद हाईकोर्ट ने कहा कि किसी मामले में दिन–प्रतिदिन सुनवाई का आदेश दिया जाए तो उसका अक्षरशः पालन होना चाहिए। यह टिप्पणी करते हुए न्यायमूर्ति जेजे मुनीर की एकल पीठ ने आपराधिक मामले के ट्रायल में देरी पर नाराजगी जताई।

इलाहाबाद हाईकोर्ट ने कहा कि किसी मामले में दिन–प्रतिदिन सुनवाई का आदेश दिया जाए तो उसका अक्षरशः पालन होना चाहिए। यह टिप्पणी करते हुए न्यायमूर्ति जेजे मुनीर की एकल पीठ ने आपराधिक मामले के ट्रायल में देरी पर नाराजगी जताई। मामले में कानपुर नगर के पुलिस आयुक्त और जिला शासकीय अधिवक्ता (फौजदारी) हाईकोर्ट में पेश हुए थे।

आरोपी संजय सिंह परिहार उर्फ टिंकू की जमानत अर्जी पर सुनवाई के दौरान अधिवक्ता ने दलील दी कि संबंधित आपराधिक मुकदमे का ट्रायल तीन साल से लंबित है। कोर्ट ने आरोपों की गंभीरता को देखते हुए पूर्व में जमानत से इन्कार किया था। मामले को पुनः बुलाने के लिए बार–बार आवेदन प्रस्तुत किए गए, जिससे मुकदमे की कार्यवाही अनावश्यक विलंब हुई।

कोर्ट ने 25 फरवरी 2026 को व्यक्तिगत रूप से उपस्थित होकर स्पष्टीकरण देने का निर्देश दिया था, जिस पर दोनों अधिकारी न्यायालय में उपस्थित हुए।

आदेश–पत्रक दिखाए जाने पर उन्होंने ट्रायल में देरी पर अपनी जिम्मेदारी स्वीकार की। कोर्ट ने कहा कि दिन–प्रतिदिन सुनवाई केवल औपचारिकता नहीं है, बल्कि यह सुनिश्चित करना पुलिस प्रशासन और अभियोजन की जिम्मेदारी है कि गवाहों की उपस्थिति समय पर हो और मुकदमा

दिन–प्रतिदिन के आधार पर चलाने का निर्देश दिया था। बचाव पक्ष के अधिवक्ता ने दलील दी कि अभियोजन पक्ष की ओर से बार–बार स्थगन मांगा जा रहा है। साथ ही दंड प्रक्रिया संहिता की धारा–311 के तहत पहले से परीक्षित गवाहों के आदेश में इस पर गंभीर आपत्ति जताई। कहा कि यह न्यायालय के आदेशों की अवहेलना है। इससे अभियुक्त की स्वतंत्रता भी प्रभावित हो रही है। इस पर कोर्ट ने पुलिस आयुक्त और जिला शासकीय अधिवक्ता (फौजदारी) को अनावश्यक रूप से लंबित न रहे। स्पष्टीकरण के बाद न्यायालय ने दोनों अधिकारियों की व्यक्तिगत उपस्थिति से छूट दे दी। साथ ही ट्रायल कोर्ट को निर्देश दिया कि वह मामले की अद्यतन स्थिति रिपोर्ट 12 मार्च तक प्रस्तुत करें।

आरटीआई में देरी के आरोप में आईपीएस शैलेश यादव पर जुर्माने का आदेश रद्द

प्रयागराज। यह आदेश न्यायमूर्ति स्वरूपमा चतुर्वेदी की एकल पीठ ने याची आईपीएस शैलेश कुमार यादव की याचिका पर दिया है। याची उस समय आईपीएस अधिकारी के रूप में गाजियाबाद में क्षेत्रीय पासपोर्ट अधिकारी एवं लोक सूचना अधिकारी के पद पर प्रतिनियुक्त थे। इनके खिलाफ एक आरटीआई अर्जी में सूचना देने में देरी का आरोप लगाया गया था। इलाहाबाद हाईकोर्ट ने सूचना के अधिकार मामले में एक आईपीएस अधिकारी पर लगाया गया 25,000 का अधिकतम जुर्माना रद्द कर दिया है। कहा कि केंद्रीय सूचना आयोग के आठ फरवरी 2007 और 19 मार्च 2007 का आदेश प्राकृतिक न्याय सिद्धांतों के विपरीत है। यह आदेश न्यायमूर्ति स्वरूपमा चतुर्वेदी की एकल पीठ ने याची आईपीएस शैलेश कुमार यादव की याचिका पर दिया है। याची उस समय आईपीएस अधिकारी के रूप में गाजियाबाद में क्षेत्रीय पासपोर्ट अधिकारी एवं लोक सूचना अधिकारी के पद पर प्रतिनियुक्त थे। इनके खिलाफ एक आरटीआई अर्जी में सूचना देने में देरी का आरोप लगाया गया था। आवेदक ने 26 मार्च 2006 को पासपोर्ट से संबंधित जानकारी मांगी थी। मामला सूचना देने में लगभग 145 दिन की देरी का आरोप लगाते हुए मामला केंद्रीय सूचना आयोग पहुंचा। तत्कालीन सूचना आयुक्त ने 19 मार्च 2007 को अधिकतम 25,000 का जुर्माना लगाया और विदेश मंत्रालय को विभागीय कार्रवाई की सिफारिश भी कर दी। इसके खिलाफ याची ने हाईकोर्ट का दरवाजा खटखटाया। दलील दी कि सूचना अंततः उपलब्ध करा दी गई थी। देरी स्टाफ की भारी कमी और कार्यभार के कारण हुई। मुख्य पासपोर्ट अधिकारी की जांच रिपोर्ट में किसी भी अधिकारी को दोषी नहीं ठहराया गया। आयोग ने जांच रिपोर्ट का इंतजार किए बिना जुर्माना लगा दिया। आदेशों की भाषा से पूर्वाग्रह और पक्षपात झलकता है। कोर्ट ने कहा कि हर देरी पर स्वतः दंड नहीं लगाया जा सकता। दंड तभी लगाया जा सकता है जब बिना उचित कारण के देरी हो या दुर्भावनापूर्ण आचरण सिद्ध हो या लगातार लापरवाही साबित हो। कोर्ट ने पाया कि जांच रिपोर्ट में स्पष्ट किया गया था कि देरी विभागीय समस्याओं के कारण हुई, न कि किसी अधिकारी की जानबूझकर की गई गलती से। हाईकोर्ट ने केंद्रीय सूचना आयोग के आदेशों की भाषा पर भी गंभीर टिप्पणी की। कहा कि आदेश में अधिकारी के प्रति कठोर और अपमानजनक टिप्पणियां की गई थीं। कोर्ट ने कहा कि इस प्रकार की भाषा से पूर्वाग्रह झलकता है। यह प्राकृतिक न्याय के सिद्धांतों के विपरीत है।

दो बाइकों की टक्कर में चार लोग हुए घायल

थाना क्षेत्र के अयोध्या गांव में रामगढ़ चौकी के पास शनिवार को दो बाइक की टक्कर में चार लोग घायल हो गए। घायलों में एक की हालत नाजुक होने पर जिला अस्पताल रेफर किया गया है। अजय पुत्र सुखेन निवासी नेवढ़िया पाल थाना कोरांव अपने बड़े भाई के ससुराल नथऊपुर जादीपुर गांव आया था। वहां से वह अपने साले नागेंद्र प्रसाद के साथ किसी काम से अयोध्या गया था। दोनों एक ही बाइक पर जादीपुर नथऊपुर के लिए लौट रहे थे कि अयोध्या गांव में रामगढ़ पुलिस चौकी के पास विपरीत दिशा से आ रहे बाइक सवार की आमने–सामने टक्कर हो गई।

हादसे में दोनों बाइकों पर सवार कुल चार लोग घायल हो गए। दूसरी बाइक पर सवार दोनों युवकों को निजी वाहन से एक निजी अस्पताल लाया गया। जबकि अजय और नागेंद्र प्रसाद को सीएचसी कोरांव ले जाया गया। जहां से अजय को जिला अस्पताल के लिए रेफर कर दिया। चिकित्साधिकारी डॉ. राजेश ने बताया कि अजय के सिर में गंभीर चोट होने के कारण जिला अस्पताल रेफर किया गया है। रामगढ़ पुलिस चौकी के प्रभारी आशीष सिंह यादव ने बताया कि दोनों क्षतिग्रस्त बाइक को कब्जे में लिया गया है।

हाईकोर्ट ने कहा– अनुशासनात्मक कार्रवाई में मौखिक सुनवाई जरूरी

प्रयागराज। इलाहाबाद हाईकोर्ट ने विभागीय अनुशासनात्मक कार्रवाई को लेकर टिप्पणी करते हुए कहा कि कर्मचारी को मौखिक सुनवाई का अवसर देना अनिवार्य है। यह प्राकृतिक न्याय के सिद्धांतों का अभिन्न हिस्सा है। इलाहाबाद हाईकोर्ट ने विभागीय अनुशासनात्मक कार्रवाई को लेकर टिप्पणी करते हुए कहा कि कर्मचारी को मौखिक सुनवाई का अवसर देना अनिवार्य है। यह प्राकृतिक न्याय के सिद्धांतों का अभिन्न हिस्सा है। यह आदेश न्यायमूर्ति अनीश कुमार गुप्ता की एकल पीठ ने झांसी के लेखपाल रामस्वरूप शुक्ला की याचिका पर सुनवाई करते हुए दिया। कोर्ट ने पाया कि जांच अधिकारी ने चार्जशीट के जवाब के बाद कर्मचारी को व्यक्तिगत सुनवाई के लिए न तो कोई तिथि निर्धारित की और न ही मौखिक पक्ष रखने का अवसर दिया। इसे गंभीर त्रुटि मानते हुए कोर्ट ने 17 दिसंबर 2009 को पारित बर्खास्तगी आदेश और 30 अप्रैल 2010 को अपीलीय प्राधिकारी की ओर से पारित आदेश को निरस्त कर दिया।

याची की नियुक्ति 1980 में लेखपाल के पद पर हुई थी और वह झांसी क्षेत्र में तैनात था। राजस्व निरीक्षक की शिकायत पर 2008 में उसके खिलाफ धोखाधड़ी समेत विभिन्न धाराओं में मुकदमा दर्ज किया गया था। इसके बाद विभागीय कार्रवाई कर एसडीएम ने उसकी सेवा समाप्त कर दी थी। कोर्ट ने कहा कि याची नौ जनवरी 2018 को सेवानिवृत्त हो चुका है। ऐसे में सेवा में पुनर्बहाली संभव नहीं है। साथ ही विभागीय कार्रवाई को अवैध ठहराते हुए बर्खास्तगी का आदेश रद्द कर दिया।

स्टाफ नर्स परीक्षा में 102 का अभ्यर्थन निरस्त होने के बाद 41 चयनित

प्रयागराज। उत्तर प्रदेश लोक सेवा आयोग (यूपीपीएससी) ने स्टाफ नर्स एलोपैथी (पुरुष/महिला) परीक्षा–2023 में 41 नए अभ्यर्थियों को चयनित घोषित किया है। इससे पूर्व सात मार्च 2025 को जारी परिणाम में किन्हीं कारणों से 102 अभ्यर्थियों का चयन निरस्त कर दिया गया है। उत्तर प्रदेश लोक सेवा आयोग (यूपीपीएससी) ने स्टाफ नर्स एलोपैथी (पुरुष/महिला) परीक्षा–2023 में 41 नए अभ्यर्थियों को चयनित घोषित किया है। इससे पूर्व सात मार्च 2025 को जारी परिणाम में किन्हीं कारणों से 102 अभ्यर्थियों का चयन निरस्त कर दिया गया है। जिनका अभ्यर्थन निरस्त हुआ है, उनमें पुरुष वर्ग के 13 एवं महिला वर्ग की 89 अभ्यर्थी शामिल हैं। आयोग के अनुसचिव जितेंद्र कुमार के अनुसार चयन निरस्त किए जाने के फलस्वरूप रिक्त हुए पदों के सापेक्ष पुरुष वर्ग के सात व महिला वर्ग की 34 अभ्यर्थियों को चयनित घोषित किया गया है। स्टाफ नर्स पुरुष के पद की अनुसूचित जाति श्रेणी की छह रिक्तियां अभ्यर्थी उपलब्ध न होने के कारण भरी नहीं जा सकी हैं। वहीं, स्टाफ नर्स महिला के पद की अनुसूचित जाति श्रेणी के लिए आरक्षित 12 रिक्तियां व ईडब्ल्यूएस के लिए आरक्षित 43 रिक्तियां भी अभ्यर्थी उपलब्ध न होने के कारण भरी नहीं जा सकी हैं। इन रिक्त पदों पर भर्ती के लिए पुनर्विज्ञापन की संस्तुति की गई है। परिणाम पूरी तरह से औपबंधिक है। सफल अभ्यर्थियों के अभिलेख सत्यापन के बाद नियुक्ति की संस्तुति की जाएगी।

काशी एक्सप्रेस में नवविवाहिता का गहनों से भरा बैग चोरी, जीआरपी ने दर्ज की प्राथमिकी

प्रयागराज। मऊ जनपद के सहादतपुरा निवासी श्रेया सिंह की शादी अभी हाल ही में हुई है। श्रेया सिंह के ससुराल के लोग मुंबई में रहते हैं। इसलिए वह भी मुंबई में थीं। होली का त्योहार मनाने के लिए श्रेया 26 फरवरी को अपने पिता अजीत सिंह के साथ काशी एक्सप्रेस के ए–वन कोच में मुंबई से सवार हुई थीं।

मऊ जनपद के सहादतपुरा निवासी श्रेया सिंह की शादी अभी हाल ही में हुई है। श्रेया सिंह के ससुराल के लोग मुंबई में रहते हैं। इसलिए वह भी मुंबई में थीं। होली का त्योहार मनाने के लिए श्रेया 26 फरवरी को अपने पिता अजीत सिंह के साथ काशी एक्सप्रेस के ए–वन कोच में मुंबई से सवार हुई थीं। रास्ते में 27 फरवरी की सुबह करीब आठ बजे ट्रेन जब प्रयागराज जंक्शन पर पहुंची तो उन्हें गहनों से भरा बैग चोरी होने की जानकारी मिली।

पीड़िता ने तुरंत इसकी सूचना जीआरपी को दी। बताया कि बैग में 10 लाख रुपये से अधिक कीमत के जेवरात थे। आरोप है कि सूचना देने पर जीआरपी प्रयागराज की पुलिस ने एफआईआर दर्ज कराने में पूछताछ के लिए अधिक समय लगने के कारण उन्हें ट्रेन छोड़ देने को कहा। लेकिन पीड़िता ने ट्रेन से मऊ रेलवे स्टेशन पहुंचकर जीआरपी में शिकायत दर्ज कराई। प्रयागराज जीआरपी के डीएसपी अरुण कुमार पाठक ने बताया कि मामला मऊ रेलवे स्टेशन में दर्ज कर प्रयागराज जीआरपी को स्थानांतरित किया गया है। प्रकरण में गहन छानबीन की जा रही है और जल्द ही आरोपियों को गिरफ्तार कर माल बरामदगी की जाएगी।

प्रदेश में एक अप्रैल से लागू होगी नई रेट लिस्ट, प्रयागराज में मुश्किल

प्रयागराज। सभी जिलों के सर्किल रेट की सूची में एकरूपता और संपत्ति पंजीकरण से प्रभार्य स्टांप शुल्क की गणना को आसान, सुविधाजनक एवं पारदर्शी बनाने के लिए पूरे प्रदेश में एक समान प्रारूप वाली सर्किल रेट की सूची एक अप्रैल से लागू की जाएगी। सभी जिलों के सर्किल रेट की सूची में एकरूपता और संपत्ति पंजीकरण से प्रभार्य स्टांप शुल्क की गणना को आसान, सुविधाजनक एवं पारदर्शी बनाने के लिए पूरे प्रदेश में एक समान प्रारूप वाली सर्किल रेट की सूची एक अप्रैल से लागू की जाएगी। हालांकि, प्रयागराज में एक अप्रैल से यह बदलाव मुश्किल है क्योंकि यहां 15 दिसंबर 2025 को ही नई रेट लिस्ट लागू की जा चुकी है। महानिरीक्षक निबंधन की ओर से सभी जिलों को निर्देश जारी किए गए हैं कि शासन से निर्धारित एक समान प्रारूप वाली सर्किल रेट की सूची एक अप्रैल 2026 से लागू कर दी जाए।

मलिन बस्ती के बच्चों संग मनी फूलों और प्राकृतिक रंगों से होली

प्रयागराज। नगर निगम प्रयागराज द्वारा स्वच्छता, पर्यावरण संरक्षण एवं सामाजिक समरसता के उद्देश्य से प्रयागराज स्थित मलिन बस्ती में एक अनूठी और प्रेरणादायक होली का आयोजन किया गया। यह आयोजन निशुल्क शिक्षा के लिए कार्यरत "शुरुआत एक ज्योति शिक्षा" (NGO) के सहयोग से तिरंगा पार्क में संपन्न हुआ। कार्यक्रम में मलिन बस्ती के बच्चों ने फूलों एवं स्वयं सहायता समूह द्वारा तैयार किए गए प्राकृतिक रंगोंकृजैसे पलाश, चुकंदर आदिकृसे होली खेली। इस अवसर पर बच्चों

ने उत्साहपूर्वक भाग लिया और रासायनिक रंगों के प्रयोग से दूर रहने का संकल्प लिया। ये सभी बच्चे नगर निगम के 120 स्वच्छ सारथी क्लबों में से एक क्लब से जुड़े हुए हैं। बच्चों ने न केवल पर्यावरण के अनुकूल होली मनाई, बल्कि यह शपथ भी ली कि वे स्वयं केमिकल युक्त रंगों का उपयोग नहीं करेंगे और अपने आसपास के लोगों को भी इसके प्रति जागरूक करेंगे। इस अवसर पर प्म्ब हेड श्री कृष्ण कुमार मौर्य ने उपस्थित सभी लोगों से स्वच्छ, सुरक्षित और हरित होली मनाने की अपील की। उन्होंने कहा कि प्राकृतिक रंगों का उपयोग न केवल स्वास्थ्य के लिए लाभकारी है, बल्कि यह पर्यावरण संरक्षण की दिशा में भी एक महत्वपूर्ण कदम है। कार्यक्रम में पुलिस मित्र श्री आशीष जी, शुरुआत संस्था के निर्देशक श्री अभिषेक शुक्ला, मंगला जी, प्म्ब टीम, श्रृष्टि वेस्ट मैनेजमेंट सर्विस इंदौर के प्रतिनिधि तथा शहर के समाजसेवी गण उपस्थित रहे। नगर निगम प्रयागराज द्वारा इस प्रकार के जनजागरूकता कार्यक्रमों के माध्यम से स्वच्छता एवं पर्यावरण संरक्षण के संदेश को जन–जन तक पहुंचाने का निरंतर प्रयास किया जा रहा है।

भारतीय राष्ट्रीय पत्रकार महासंघ महानगर का शपथ ग्रहण समारोह आठ को

होली मिलन और सक्रिय पदाधिकारियों को किया जाएगा सम्मानित

प्रयागराज। भारतीय राष्ट्रीय पत्रकार महासंघ की महानगर जिला इकाई का शपथग्रहण समारोह आठ मार्च दिन रविवार को दोपहर बारह बजे से मौजीस रेस्टोरेंट (आनंद भवन के सामने) में महानगर इकाई के संरक्षक शिवेश कुमार राय की अध्यक्षता में आयोजित किया जाएगा। भारतीय राष्ट्रीय पत्रकार महासंघ की महानगर इकाई के अध्यक्ष पंकज गुप्ता ने उपरोक्त जानकारी देते हुए बताया कि समारोह में मुख्य अतिथि के रूप में भारतीय राष्ट्रीय पत्रकार महासंघ के राष्ट्रीय अध्यक्ष मुनेश्वर मिश्र जी मौजूद रहेंगे, साथ साथ विशेष अतिथि भारतीय राष्ट्रीय पत्रकार महासंघ के राष्ट्रीय संयोजक डॉ भगवान प्रसाद उपाध्याय और राष्ट्रीय महासचिव डॉ योगेंद्र कुमार मिश्र विश्वबंधु जी होंगे। श्री गुप्ता ने बताया कि नवगठित कार्यकारिणी के सदस्यों को उनके दायित्व की शपथ दिलाई जाएगी इसके पश्चात सभी मंचासीन अतिथियों और महासंघ के सक्रिय पदाधिकारियों को सम्मानित किया जाएगा । समारोह में होली मिलन भी होगा और संगठन को मजबूत बनाने के लिए विशेष परिचर्चा की जाएगी। श्री गुप्ता ने आयोजन में महानगर इकाई के सभी सम्मानित पदाधिकारियों और सदस्यों को समय पर उपस्थित होने की अपील की है।

भयहरणनाथ धाम में प्रबन्ध समिति की बैठक संपन्न

8 मार्च को होगा भव्य होली उत्सव

15 मार्च को धाम की भूमि कब्जा मुक्त कराने हेतु होगा सामूहिक सत्याग्रह

प्रतापगढ़। प्रसिद्ध पांडव कालीन भयहरणनाथ धाम में प्रबन्ध संस्था भयहरणनाथ धाम क्षेत्रीय विकास संस्थान की बैठक आगामी 8 मार्च को महिला दिवस पर भव्यता के साथ मनाया जाना तय हुआ. वहीं धाम की भूमि को कब्जा मुक्त कराने हेतु 15 मार्च को सामूहिक सत्याग्रह करने का निर्णय लिया गया. तय हुआ कि कुछ लोग समूह बनाकर निजी कब्जे हेतु तरह तरह के क्षदम नाम से धाम की नियमित गतिविधियों में लगातार दखल करते है जिसके सम्बन्ध में जिलाधिकारी व पुलिस अधीक्षक महोदय को अवगत नियंत्रित किया जायेगा।

कार्यवाहक अध्यक्ष लाल जी सिंह की अध्यक्षता में आयोजित बैठक का संचालन महासचिव समाज शेखर ने किया. उपाध्यक्ष प्रशासन बबन सिंह ने कहा कि जब मुख्यमंत्री जी के निर्देश पर

मुख्य मंदिर की योजना प्रस्तावित है तब निजी हित में सरकारी निर्माण में हस्तक्षेप बिना प्रशासानिक व सामाजिक आदेश के किया जाना अवैध होगा. उपाध्यक्ष संगठन डॉ अमर बहादुर सिंह ने कहा की धाम के विकास हेतु वर्षो से संगठित कार्य हो रहा है. परंतु कुछ लोग भूमि सहित अन्य निहित स्वार्थ में लिप्त होकर अपनी निजी भूमिका निभाते है जो गलत है. सचिव मीडिया डॉ पी एन मिश्र ने कहा गलत प्रवृत्ति के लिए धाम में जगह नही है यहाँ धर्म हित में समाज व सरकार के नियमो का पूरा पालन करना सभी का कर्तव्य है। बैठक में तय हुआ कि 8 मार्च को होली उत्सव में काव्य गोष्ठी, फूलों की होली व फगुवा का गायन होगा. सभी मंदिरों में देवताओं के साथ फूलों की होली होगी. वहीं तय हुआ कि प्रशासनिक कार्यालय के पुनरोद्धार हेतु कार्यवाहक अध्यक्ष लाल जी सिंह, उपाध्यक्ष वित्त राजीव नयन मिश्र व कार्यालय प्रभारी नीरज मिश्र को जिम्मेदारी दी गई। इस अवसर पर प्रमुख रूप से संरक्षक हीरा लाल, राज किशोर मिश्र, कमलेश वैश्य, मनीराम पटेल व अवधेश मिश्र व अभय सिंह आदि शामिल रहे।

ओम के विचार पुस्तक का हुआ विमोचन

ओम के विचार पुस्तक गागर में सागर जैसी है - डॉ. विश्राम यादव

मिर्जापुर। साहित्य चेतना समाज मिर्जापुर इकाई और वसंत बहार चौरिटेबल ट्रस्ट के संयुक्त तत्वावधान में चेतना प्रवाह कार्यक्रम के अंतर्गत पुस्तक विमोचन एवं कवि–गोष्ठी का आयोजन हुआ।

कार्यक्रम के अध्यक्ष गणेश गंभीर (वरिष्ठ साहित्यकार), मुख्य अतिथि विश्राम यादव (अपर आयुक्त विंध्याचल मंडल), विशिष्ट अतिथि हरिशंकर दुबे (अधिवक्ता सुप्रीम कोर्ट), राजेंद्र तिवारी (मंडलीय महामंत्री माध्यमिक शिक्षा संघ), लल्लू तिवारी (वरिष्ठ साहित्यकार), राजपति ओझा (पूर्व अध्यक्ष संस्कार भारती), राकेश शरण मिश्र (अधिवक्ता व साहित्यकार) मंचासिन रहे। कार्यक्रम का संयोजन त्रियोगी नारायण मिश्र शमिद्रूश व सह संयोजन श्याम बाबू प्रजापति ने किया। आनंद अमित ने संचालन किया ।

कार्यक्रम का शुभारंभ मुख्य अतिथि ने मां सरस्वती के चित्र पर माल्यार्पण करके किया । सरस्वती वंदना साधना मिश्रा ने किया।

कार्यक्रम के पहले सत्र में मंचासिन अतिथियों का माल्यार्पण कर अंगवस्त्र से स्वागत किया गया । तदोपरांत मंचासिन अतिथियों ने ष्ओम के विचारष पुस्तक का विमोचन किया। ओम प्रकाश त्रिपाठी को साहित्य लेखन के लिए हिंदी श्री साहित्य सम्मान से सम्मानित

किया गया। अपने वक्तव्य में डॉ विश्राम यादव ने कहा – ओम प्रकाश त्रिपाठी ने ओम के विचार पुस्तक में गागर में सागर भरने का काम किया है। अध्यक्षता कर रहे गणेश गंभीर ने कहा – ओम के विचार अच्छी सूक्तियों का संग्रह है।

कार्यक्रम के दूसरे सत्र में कवियों द्वारा सुंदर काव्य पाठ किया गया। गणेश गंभीर ने सुनाया – अरे फ़गुनहट बहती रही पता तक नहीं चला। लल्लू तिवारी ने सुनाया – फिफियाता वसंत है। त्रियोगी मिश्र मिद्दू ने सुनाया – जब भी कोई जनक धरती की प्यास बुझाने के लिए धरती का पेट चीरता है तो सीता का जन्म होता है और जब भी कोई अर्जुन समर भूमि में युद्ध करने से इनकार करता है तो गीता का जन्म होता है।

आनंद अमित ने सुनाया – ईरान इजराइल में जारी, तभी रुकेगी जंग। नेतन्याहू पिएं धतूरा, पिएं ट्रंप जी भंग। जोगीरा सारा रा। इला जायसवाल– रंगों से भरी महफिल सजाने आ गई होली। सारिका चौरसिया– विभीषिका ये युद्ध की या साजिशे कुछ और हैं। पूजा यादव – शेर उसको नहीं सुनाऊंगी उसने पीतल कहा है सोने को। रेखा चौरसिया– थकी नहीं हु चल रही हूं थोड़ा थोड़ा। नंदिनी वर्मा– श्याम बिना आई जो अबकी होली मोहे रास न आई। अन्नू सरोज – होली के रंग रिश्तों का बंटवारा। विजय श्रीवास्तव– तेज धूप जब तुमको लगती। केदारनाथ सविता– खेत में खलिहान में घर में बसंत है। रविन्द्र कुमार पांडे– चंदन के गांछ बने हंसिये बबूल के। श्याम अचल– बांज से लड़ रही लड़कियां। अनिल यादव, अमरनाथ ने सुंदर काव्य पाठ किया गया। आनंद केशरी और मेवा लाल ने मुख्य अतिथि का स्वागत किया। अमरनाथ, राजकुमार, दीनानाथ, मयंक आदि उपस्थित रहे।

नाजरेथ हॉस्पिटल स्कूल ऑफ नर्सिंग में 32वां जीएनएम दीक्षांत एवं 36वां दीप प्रज्वलन समारोह संपन्न

प्रयागराज। नाजरेथ हॉस्पिटल स्कूल ऑफ नर्सिंग द्वारा 32वें जीएनएम दीक्षांत समारोह और 36वें दीप प्रज्वलन समारोह का भव्य आयोजन किया गया। यह समारोह नर्सिंग पेशे की गरिमा, ज्ञान और करुणा के प्रतीक के रूप में मनाया गया। मुख्य अतिथि और विशिष्ट जन समारोह की अध्यक्षता इलाहाबाद धर्मप्रांत के अति माननीय बिशप लूइस मस्करेन्हस ने की। उत्तर मध्य रेलवे के प्रधान मुख्य कार्मिक अधिकारी श्री मुदित चंद्रा मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित रहे। श्री चंद्रा, जो MNNIT प्रयागराज के पूर्व छात्र हैं और कोविड–19 के दौरान ऑक्सीजन एक्सप्रेस के संचालन में महत्वपूर्ण भूमिका निभा चुके हैं, ने छात्रों को सेवा और सत्यनिष्ठा का संदेश दिया । कार्यक्रम में श्रीमती आयूषी भटनागर विशिष्ट अतिथि के रूप में सम्मिलित हुईं। इस अवसर पर मेधावी छात्रों को उनकी उत्कृष्ट उपलब्धियों के लिए सम्मानित किया गया सिस्टर मोनिका लोबो को उनके निरंतर शानदार शैक्षणिक प्रदर्शन के लिए एक्सीलेंस अवार्ड प्रदान किया गया। कुमारी एली मिंज और कुमारी अन्नू को उनके नैदानिक

कौशल, अनुशासन और नेतृत्व क्षमता के लिए आउटस्टैंडिंग स्टूडेंट अवार्ड दिया गया।

कार्यक्रम की शुरुआत भव्य प्रार्थना नृत्य के साथ हुई। 36वें बैच के 39 नवागंतुक नर्सिंग छात्रों ने फ्लोरेंस नाइटिंगेल की याद में प्रज्वलित दीप ग्रहण कर मानवता की सेवा की शपथ ली। 32वें बैच के स्नातकों को मुख्य अतिथि द्वारा प्रमाण पत्र वितरित किए गए ।

अस्पताल प्रशासन ने छात्रों की सफलता में उनके माता–पिता के त्याग और समर्थन की सराहना की । समारोह के अंत में सभी अतिथियों, डॉक्टरों, धर्मप्रांतीय पुरोहितों और अभिभावकों के लिए प्रीति भोज का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का समापन राष्ट्रगान के साथ हुआ। इस अवसर पर नजरथ हॉस्पिटल के निदेशक रेव. फादर विपिन डिसूजा, प्रशासक रेव. फादर इसिडोर डिसूजा और प्रधानाचार्या रेव. सिस्टर अल्वीना सहित कई गणमान्य चिकित्सक उपस्थित रहे।

गंगानाथ झा परिसर में 'संस्कृत वाङ्गमय में पर्यावरण' विषय पर दो दिवसीय संगोष्ठी का समापन

प्रयागराज। केन्द्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय, गंगानाथ झा परिसर, प्रयागराज में पर्यावरण के प्रति विशेष जागरूकता स्थापित करने हेतु "संस्कृत वाङ्गमय में पर्यावरण" विषय पर दो दिवसीय संगोष्ठी का समापन आज दिनांक 01.03.2026 को संस्कृत भाषा के ख्यातिलब्ध विद्वानों के व्याख्यानों के साथ सम्पन्न हुआ। दिनांक 28.02.2026 से आरम्भ यह संगोष्ठी "संस्कृत वाङ्गमय में पर्यावरण" के विषय में चिन्तन एवं पारस्परिक चर्चा का विशेष अवसर बनी। देश के विभिन्न क्षेत्रों से आये विद्वानों ने दो दिनों तक पर्यावरण के विषय में गम्भीर चिन्तन करते हुए अपने व्याख्यान प्रस्तुत किये। संगोष्ठी के द्वितीय एवं अन्तिम दिन के प्रथम सत्र में जवाहर लाल नेहरू विश्वविद्यालय, नई दिल्ली के आचार्य प्रो. सन्तोष शुक्ल ने व्याख्यान प्रस्तुत कर वेदों में वर्णित पर्यावरण के तत्व जल, अग्नि, अन्तरिक्ष आदि की शान्ति की कामना का उल्लेख किया। द्वितीय सत्र के मुख्य वक्ता उत्तराखण्ड संस्कृत विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. रमाकान्त पाण्डेय रहे। अपने व्याख्यान में उन्होंने संस्कृत वाङ्गमय में पर्यावरण से सम्बन्धित विवरण प्रस्तुत कर छात्र–छात्राओं को लाभान्वित

किया। इसी क्रम में तृतीय सत्र के मुख्यवक्ता दिल्ली विश्वविद्यालय के सहायकाचार्य डॉ. ऋषिराज पाठक रहे। तत्तपश्चात संगोष्ठी के चतुर्थ सत्र में सम्पूर्णानन्द संस्कृत विश्वविद्यालय के आचार्य प्रो. हरिप्रसाद अधिकारी ने अपने विचार प्रस्तुत किये। संगोष्ठी के पंचम सत्र में काशी हिन्दू विश्वविद्यालय के निवृत्ताचार्य प्रो. शिवराम शर्मा तथा छठें एवं अन्तिम सत्र के मुख्यवक्ता पुनः डॉ. ऋषिराज पाठक ने विभिन्न उदाहरणों द्वारा संस्कृत भाषा में वर्णित पर्यावरण सन्दर्भित विवरण प्रस्तुत किया।

संगोष्ठी की अध्यक्षता परिसर के निदेशक प्रो. ललित कुमार त्रिपाठी ने की अपने वक्तव्य में उन्होंने समस्त विद्वतजनों द्वारा प्रस्तुत व्याख्यानों को ज्ञान का भण्डार बताया। संगोष्ठी के संयोजक प्रो. देवदत्त सरोदे ने संस्कृत वाङ्गमय में पर्यावरण सम्बन्धी संगोष्ठी को अत्यधिक सार्थक बताते हुए अपने लक्ष्य को लब्ध करने वाला बताया। संचालन परिसर के सहायकाचार्य अंकित मिश्र ने किया। इस अवसर पर परिसरीय समस्त अधिकारी, कर्मचारीगण, छात्र–छात्राएँ उपस्थित रहे।

वन में खिले पलाश

(छप्पय)

बहने लगी बहार, मधुर रस अंतस घोले।
छाया नवल उजास, प्रकृति की काया बोले।
सजा सुनहरा रंग, तितलियाँ चंचल दिखतीं।
वन में खिले पलाश, भोर में चिड़िया चहकीं।
सजधज कर भौरे सभी, गीत मिलन का गा रहे।
रे वसन्त! उनको बुला, दिल को जो अति भा रहे।।

खिलने लगे पलाश खेत में सरसों फूली।
अरहर के ही साथ तिलहने जमकर झूलीं।
आमों में छा बौर सुगन्धित करते जग को।
अलि भी हैं मदहोश बताते उपवन सबको।
मौसम के अनुरूप ही कलियों ने उसको लिखा।
फूलों ने हँसकर कहा पंखुरियों में जो दिखा।

डॉ. प्रदीप चित्रांशी
लूकरगंज, प्रयागराज

एलयू हॉस्टल के कमरे में लटकता मिला छात्र का शव

लखनऊ, संवाददाता। लखनऊ विश्वविद्यालय के छात्र ने हॉस्टल के कमरे में फांसी का फंदा लगाकर आत्महत्या कर ली। सुबह जब काफी देर तक छात्र अपने कमरे से नहीं निकला तो साथी छात्र उसको उठाने गए। बार–बार आवाज देने और खटखटाना के बाद भी कमरे का दरवाजा नहीं खुला। इस पर विश्वविद्यालय प्रशासन की मौजूदगी में कमरे का दरवाजा तोड़ा गया। छात्र फांसी के फंदे के सहारे झूलता मिला। मामले की जानकारी हसनगंज थाने को दी गई। मौके पर पहुंची पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमॉर्टम के लिए भेज दिया। लखनऊ विश्वविद्यालय के सुभाष हॉस्टल के कमरा नंबर 52 में नवीन रहता था। नवीन हॉस्टल में रहे कर बीए प्रथम वर्ष की पढ़ाई करता था। सुबह जब वो अपने कमरे से नहीं निकला तो घटना की जानकारी हुई।

नीतीश कुमार के 75वां जन्मदिन पर पूजन–हवन और वृक्षारोपण हुआ

लखनऊ, संवाददाता। जनता दल यूनाइटेड के राष्ट्रीय अध्यक्ष और बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार का 75वां जन्मदिन राजधानी लखनऊ में उत्साह और उल्लास के साथ मनाया गया। जदयू उत्तर प्रदेश इकाई की ओर से प्रदेश कार्यालय और आशियाना क्षेत्र में पूजन, हवन, केक काटने और वृक्षारोपण जैसे कार्यक्रम आयोजित किए गए। कार्यकर्ताओं ने मुख्यमंत्री के दीर्घायु और स्वस्थ जीवन की कामना की। जदयू उत्तर प्रदेश के प्रदेश कार्यालय में मुख्यमंत्री नीतीश कुमार के चित्र के समक्ष केक काटा गया। कार्यकर्ताओं ने एक–दूसरे को मिठाई खिलाकर जन्मदिन की बधाई दी और उनके स्वस्थ एवं दीर्घायु जीवन की कामना की। प्रदेश अध्यक्ष अनूप सिंह पटेल ने बदायूं से जारी अपने संदेश में कार्यकर्ताओं से आह्वान किया कि वे मुख्यमंत्री के विचारों और बिहार सरकार की जनकल्याणकारी योजनाओं को जनता के बीच पहुंचाएं तथा उत्तर प्रदेश में पार्टी संगठन को मजबूत और सक्रिय बनाने का संकल्प लें। जन्मदिन के अवसर पर पार्टी कार्यालय परिसर में नेताओं और कार्यकर्ताओं ने वृक्षारोपण किया। इस दौरान पर्यावरण संरक्षण का संदेश भी दिया गया। कार्यक्रम में प्रदेश महासचिव भैया हरिशंकर पटेल, प्रदेश महासचिव सुभाष पाठक, प्रदेश कोषाध्यक्ष अमर सिंह कटियार, प्रदेश कार्यालय प्रभारी ओमप्रकाश वर्मा, वरिष्ठ नेता डॉ. जितेंद्र सिंह सचान, एस. के. सचान, बिहार प्रदेश युवा जदयू के प्रदेश महासचिव अजय पटेल, बौद्ध अरविंद सिंह पटेल, मुसाफिर सिंह, आशुतोष सिंह, अवधेश सिंह, बृजभूषण सिंह, विवेक सिंह, फूल चंद्र आर्या, किरण द्विवेदी सहित सैकड़ों कार्यकर्ता मौजूद रहे। इसके अलावा जदयू जिला लखनऊ की ओर से जिला अध्यक्ष मनीष श्रीवास्तव के नेतृत्व में आशियाना क्षेत्र स्थित दक्षिणमुखी हनुमान मंदिर में हवन–पूजन का आयोजन किया गया। यहां मुख्यमंत्री नीतीश कुमार के दीर्घायु और उत्तम स्वास्थ्य के लिए विशेष पूजा–अर्चना की गई तथा प्रसाद वितरण किया गया। कार्यक्रम में प्रदेश मीडिया प्रभारी मनीष नंदन, वरिष्ठ समाजसेवी आशीष घोष और पूर्व पार्षद विद्यावती तृतीय कमलेश सिंह विशेष अतिथि के रूप में उपस्थित रहे।

अयातुल्ला अली खामेनेई की मौत पर शिया मुस्लिम महिलाओं ने छाती पीटकर किया विरोध प्रदर्शन

लखनऊ, संवाददाता। इजरायल और अमेरिका की संयुक्त कार्रवाई में ईरान के सुप्रीम लीडर अयातुल्ला अली खामेनेई की मौत की खबर का असर रविवार को उत्तर प्रदेश की राजधानी लखनऊ में भी देखने को मिला। घंटाघर क्षेत्र के पास बड़ी संख्या में शिया मुसलमान सड़कों पर उतर आए और विरोध प्रदर्शन किया। प्रदर्शनकारियों ने खामेनेई की तस्वीरें हाथ में लेकर नारेबाजी की और उनके निधन पर शोक व्यक्त किया। काले कपड़े पहनकर विरोध–प्रदर्शन के दौरान महिलाएं रोती नजर आईं। उनका कहना है कि खामेनेई शेर थे। उन्होंने कहा कि खामेनेई को धोखे से मारा गया है। इस दौरान लोगों ने छाती पीटकर अपना विरोध दर्ज कराया तथा इजरायल और अमेरिका के खिलाफ नारे लगाए। प्रदर्शन में शामिल लोगों का कहना था कि खामेनेई की हत्या की गई है और यह कार्रवाई धोखे से की गई। उनका आरोप था कि इस घटना के लिए जिम्मेदार लोगों ने विश्वासघात किया है। प्रदर्शनकारियों ने कहा कि एक खामेनेई के जाने के बाद भी उनके विचार जिंदा रहेंगे। एक प्रदर्शनकारी महिला ने रोते हुए कह रही है कि... खामेनेई को धोखे से मारा गया। जिनकी नस्ध्लों में धोखा है, उन्होंने मारा है मेरे खामनेई को। खामेनेई मेरा शेर था। कल भी शेर था। आज भी शेर है और कयामत तक शेर रहेगा। एक खामेनेई मरेगा तो हजार खामेनेई पैदा होगा। हम मांओ ने बेटे जने हैं कुर्बानियां देने के लिए। अपनी छाती पीटती हुई महिला प्रदर्शनकारी ने कहा कि अमेरिका और इजरायल पर लानत है। ये धोखेबाज और गद्दार हैं। इनसे कभी वफा नहीं हो सकती है। इनकी नस्लें गद्दार और धोखेबाज हैं। वहीं, शिया धर्मगुरु मौलाना सैफ अब्बास ने इस घटना को आतंकवादी हमला करार दिया। उन्होंने कहा कि इस कार्रवाई ने खाड़ी क्षेत्र को अस्थिर कर दिया है और हालात लगातार बिगड़ रहे हैं। मौलाना ने आरोप लगाया कि अमेरिका और इजरायल की नीतियों से दुनिया में तनाव और हिंसा बढ़ रही है। उन्होंने कहा कि खामेनेई केवल ईरान के नेता नहीं थे, बल्कि वे दुनिया भर के वंचित और उत्पीड़ित लोगों की आवाज थे। हालांकि, उन्होंने यह भी कहा कि मौजूदा हालात किस दिशा में जाएंगे, यह कहना मुश्किल है, लेकिन उन्हें विश्वास है कि ईरान इस संकट से उबर जाएगा।

सम्पादकीय.....

आफत से राहत

दिल्ली की एक ट्रायल कोर्ट ने शराब नीति से जुड़े कथित भ्रष्टाचार मामले में आम आदमी पार्टी के संयोजक व दिल्ली के पूर्व मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल व डिप्टी सीएम मनीष सिसोदिया को आरोप मुक्त किया है। उल्लेखनीय है कि यह फैसला सीबीआई की तरफ से दायर मामले में आया है। अदालत ने सीबीआई की जांच में खामियों को उजागर करते हुए कहा कि आरोप गवाह या ठोस सबूतों पर आधारित नहीं हैं। अदालत का तर्क था कि चार्जशीट में उल्लेखित दावे तार्किक आधार नहीं रखते। उल्लेखनीय है कि अरविंद केजरीवाल के मुख्यमंत्री रहते हुए दिल्ली सरकार ने एक नई आबकारी नीति साल 2021 में लागू की थी। जिसके अंतर्गत शराब कारोबार निजी क्षेत्र को देने का निर्णय लिया गया था। तत्कालीन सरकार ने दलील दी थी कि नई नीति राज्य के राजस्व में आशातीत वृद्धि करेगी। बहरहाल, दिल्ली के पूर्व मुख्यमंत्री केजरीवाल और उनके डिप्टी सीएम मनीष सिसोदिया फिलहाल नैतिक रूप से खुद को बेहतर स्थिति में होने का दावा कर सकते हैं। उल्लेखनीय है कि ट्रायल कोर्ट ने सीबीआई द्वारा दर्ज दिल्ली उत्पाद शुल्क नीति मामले में केजरीवाल तथा 21 अन्य आरोपियों को बरी कर दिया है। निश्चय ही संकट से जूझ रही आम आदमी पार्टी के लिये यह फैसला प्राणवायु जैसा साबित हो सकता है। दरअसल, कोर्ट ने इस बाबत सख्त टिप्पणी करते हुए कहा कि जांच एजेंसी का मामला न्यायिक जांच की कसौटी पर खरा नहीं उतरता है। कोर्ट का कहना था कि अटकलों व अनुमानों को कानूनी रूप से मान्य सबूतों के रूप में पेश नहीं किया जा सकता। बहरहाल, इस फैसले के खिलाफ सीबीआई ने दिल्ली हाईकोर्ट में अपील दायर कर दी है। इसके बावजूद ट्रायल कोर्ट का यह फैसला केजरीवाल व उनकी टीम के लिये आधी लड़ाई जीतने जैसा है। जिससे वे खुद को आम आदमी पार्टी के कोर वोटरों को अपने पाक–साफ होने का विश्वास दिलाने का प्रयास कर सकते हैं। उल्लेखनीय है कि बीते साल दिल्ली विधानसभा चुनाव में भाजपा ने इस प्रकरण को अपना मुख्य मुद्दा बनाकर आम आदमी पार्टी के शीर्ष नेतृत्व पर तीखे हमले बोले थे। पार्टी ने दिल्ली के मतदाताओं को यह समझाने में कोई कोर–कसर नहीं छोड़ी कि केजरीवाल सरकार का भ्रष्टाचार विरोधी अभियान सिर्फ एक राजनीतिक प्रपंच है। बहरहाल, इन आरोपों के बीच स्वच्छ शासन का वादा करते हुए भाजपा ने 26 वर्ष के लंबे अंतराल पर दिल्ली की सत्ता में वापसी की थी, जबकि आप दूसरे स्थान पर रही थी। दिल्ली विधानसभा में मिली शिकस्त के बाद ही आप के शीर्ष नेतृत्व ने अपना पूरा ध्यान पंजाब पर लगाया था। आज पंजाब ही ऐसा राज्य है जहां आम आदमी पार्टी की सरकार बची है। भले ही ट्रायल कोर्ट के फैसले को दिल्ली हाईकोर्ट में चुनौती दी है,लेकिन एक बात तो तय है कि निचली अदालत के आदेश के बाद आप को दिल्ली में खोये जनाधार को फिर से हासिल करने का मौका मिल सकेगा। वह अपनी पार्टी के मुख्य भ्रष्टाचार विरोध ी अभियान को फिर से चलाने के लिये नैतिक बल तो हासिल कर पायी है। दरअसल, इस फैसले से जांच में अत्यधिक दखलंदाजी को लेकर कई असहज करने वाले सवाल भी उठे हैं। खासकर अदालत की वह टिप्पणी, जिसमें कहा गया कि जांच एक पूर्वनिर्धारित दिशा में चलती प्रतीत होती है। यानी जांच में उचित प्रक्रिया का उल्लंघन किया गया है। दूसरी ओर प्रवर्तन निदेशालय यानी ईडी ने कहा है कि आबकारी नीति मामले में जुड़ी उसकी मनी लॉन्ड्रिंग की स्वतंत्र जांच मजबूत आधार रखती है। कानून के पंडित कयास लगा रहे हैं कि यदि सीबीआई मामले में निचली अदालत के फैसले को उच्च न्यायालय द्वारा भी बरकरार रखा जाता है तो ईडी द्वारा अभियोजन की कानूनी वैधता पर नये सिरे से सवाल उठ सकते हैं। बहरहाल, निचली अदालत के फैसले ने केजरीवाल, सिसोदिया तथा आम आदमी पार्टी में नई ऊर्जा का संचार तो कर ही दिया है। निश्चित रूप से दिल्ली में सरकार बनाने वाली भाजपा के लिये यह स्थिति असहज करने वाली है।

लंबे समय से पाठ्य पुस्तकों के जरिए खराब किया जा रहा है बच्चों का दिमाग

डॉ. ज्ञान पाठक

भारत के सर्वोच्च न्यायालय ने नेशनल काउंसिल ऑफ एजुकेशनल रिसर्च एंड ट्रेनिंग (एनसीईआरटी)की एक किताब पर पूरी तरह से प्रतिबंधित करने का आदेश दिया है, और एक पाठ के खास संदर्भ में गहरी जड़ें और सुनियोजित साजिश शब्द का इस्तेमाल किया है, जिसमें न्यायपालिका में कथित भ्रष्टाचार और उसके कामकाज पर चर्चा की गई है। केवल एक निष्पक्ष जांच ही साजिश के सभी आयामों को सामने ला सकती है, जो 2014 में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व वाली सरकार के सत्ता में आने के बाद से पूरे देश के सामाजिक और राजनीतिक ताने–बाने के लिए खतरा बनी हुई है। सवाल यह है कि क्या इस साजिश में आरएसएस–भाजपा कुनबे की सरकार शामिल है और साजिश की जड़ें कहीं उससे भी ज्यादा गहरी हैं जितनी कि अभी टिप्पणी की गयी है? मौजूदा मामले में, सर्वोच्च न्यायालय की मुख्य चिंताएं न्यायपालिका के चित्रण, संस्थागत विश्वसनीयता को संभावित रूप से कमजोर करने और स्कूली छात्रों के लिए पाठ्य सामग्री तैयार करने के तरीके के इर्द–गिर्द घूमती रहीं। लेकिन, गहरी और सोची–समझी साजिश एक पुराना आरोप है जो 2014 से कई दूसरे मामलों से जुड़ी कई पाठ्यपुस्तकों में बदलाव के लिए लगाया जाता रहा है। भारत को यह जानने की जरूरत है कि आरएसएस–भाजपा की सरकार पाठ्यपुस्तक में बदलाव के जरिए हमारे बच्चों को एक खास तरीके से गुमराह करने के लिए पूरी शिक्षा प्रणाली को बदलने में किस हद तक शामिल रही है। मौजूदा मामले में, भारत के मुख्य न्यायाधीश (सीजेआई) सूर्यकांत और न्यायमूर्ति जॉय माल्या बागची और न्यायमूर्ति विपुल एम पंचोली की सर्वोच्च न्यायालय की पीठ ने एनसीईआरटी और केंद्र और राज्य शिक्षा विभागों को यह पक्का करने का आदेश दिया है कि किताब की सभी कॉपी, चाहे वह हार्ड कॉपी हो या डिजिटल, जनता की पहुंच से हटा दी जाएं। सीजेआई ने कहा, श्हम और गहरी जांच चाहते हैं। हमें यह पता लगाना होगा कि कौन जिम्मेदार है और हम देखेंगे कि कौन लोग हैं। सजा मिलनी चाहिए! हम केस बंद नहीं करेंगे। विवादित बातें सामने आने के बाद एनसीईआरटी निदेशक द्वारा सर्वोच्च न्यायालय को दी गई जानकारी पर पीठ ने कड़ी आपत्ति जताई। सर्वोच्च न्यायालय ने कहा, शकिताब में जो कुछ भी बहुत ही बेइज्जती और लापरवाही से लिखा गया है, उस पर अपनी राय देने के बजाय, एससीईआरटी के निदेशक ने जवाब में लिखित सामग्री का बचाव किया। न्यायालय के आदेश में कहा गया, श्हमें ऐसा लगता है कि यह संस्थागत अधिकार को कमजोर करने और न्यायपालिका की इज्जत को गिराने की एक सोची–समझी चाल है। अगर इसे ऐसे ही चलने दिया गया, तो यह आम लोगों और युवाओं के आसानी से प्रभावित होने वाले मन में न्यायिक कार्यालय की पवित्रता को खत्म कर देगा। ये तो न्यायपालिका से जुड़े सिर्फ कुछ उदाहरण हैं। कई और भी मामले हैं जिन पर ध्यान देने की जरूरत है, अगर भारत को उस गहरी और सोची–समझी साजिश का पर्दाफाश करने की जरूरत है, जिसकी ओर सर्वोच्च न्यायालय की पीठ ने इंगित किया है। भारत में एनसीईआरटी की पाठ्यपुस्तकों को कैसे बदला जाता है, इस पर विवाद और राजनीतिक बहसें होती रही हैं कृ विपक्ष और नागरिक समाज के आलोचकों का दावा है कि ये बदलाव सरकार और उसके सैद्धान्तिक समर्थक भाजपा और आरएसएस की इतिहास और सामाजिक विज्ञान की पढ़ाई को नया रूप देने की कोशिश को दिखाते हैं।

आलोचकोंकृ जिनमें नेता और अकादमिक भी शामिल हैं, का आरोप है कि एनसीईआरटी की पाठ्यपुस्तकों में हाल के बदलाव राजनीति से प्रेरित संपादन या इतिहास का भगवाकरण दिखाते हैं। केरल के मुख्यमंत्री पिनाराई विजयन ने एनसीईआरटी पर महात्मा गांधी की हत्या, आरएसएस पर प्रतिबंध और मुगल इतिहास के कुछ हिस्सों जैसी घटनाओं से जुड़े पाठ और भाग हटाने का आरोप लगाया है, और कहा है कि इनका मकसद इतिहास के बारे में आरएसएस से जुड़े नजरिए को बढ़ावा देना है। मणिकम टैगोर जैसे विपक्षी नेताओं ने कहा है कि भाजपा स्कूल की किताबों में आरएसएस के आख्यान को आगे बढ़ा रही है। अकादमिक योगेंद्र यादव और सुहास पलशिकर ने एनसीईआरटी द्वारा बिना उनकी मंजूरी के उनके नाम से बदली हुई पाठ्यपुस्तक प्रकाशित करने पर सबके सामने एतराज जताया। पाठ्यपुस्तकों को तर्कसंगत करने के पहले के दौर (जैसे, क्लास 9 और 12 में चौप्टर हटाना) की आलोचना की गई थी, जिसमें मुख्य ऐतिहासिक घटनाओं को नजरअंदाज करने या इस्लामिक इतिहास के कवरेज को कम करने की बातें कही गयी थीं। मुख्य आरोपों में से एक यह है कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की सरकार फासीवाद का पालन करने के रास्ते पर चल रही है और देश पर सर्वोच्च नियंत्रण करने की कोशिश कर रही है, जिसमें न्यायपालिका को नियंत्रित करना भी शामिल है। इसलिए, सर्वोच्च न्यायालय की गहरी जड़ें और सुनियोजित साजिशश्य की टिप्पणी का महत्व और भी बढ़ जाता है। इतिहास के भगवाकरण का एक मुख्य आरोप रहा है। यह आरोप लगाया गया है कि पाठ्यपुस्तक को भाजपा और आरएसएस से जुड़े हिंदू राष्ट्रवादी नजरिए को दिखाने के लिए बदला जा रहा है। आलोचकों का तर्क है कि प्राचीन भारत को ज्यादा सभ्यता–गौरवशाली शब्दों में पेश किया गया है, वैदिक ज्ञान और स्वदेशी वैज्ञानिक उपलब्धियों पर जोर दिया गया है, इस्लामिक और मुगलकाल को तुलना में कम या फिर से बनाया गया है, और धर्मनिरपेक्ष इतिहास लेखन पर सांस्कृतिक राष्ट्रवाद को आगे रखा गया है। पाठ्यक्रमों को तर्कसंगत बनाने के (2020–2023) के दौर में, आलोचकों ने इन बातों पर ध्यान दिया था– मुगलों पर विस्तार से बताये गये पाठों को हटाना या छोटा करनाय दरबारी संस्कृति के संदर्भों में कमी, प्रशासन, और मिली–जुली परंपराएंय और दिल्ली सल्तनत के शासकों पर पाठ्य सामग्री को कम करना। इतिहासकारों का तर्क है कि इससे समानुपातिक ऐतिहासिक कवरेज बिगड़ती है। एनसीईआरटी का कहना है कि कटौती महामारी के समय में पाठ्यक्रम का बोझ कम करने का हिस्सा थी। महात्मा गांधी की हत्या और आरएसएस पर प्रतिबंध से जुड़े बदलावों में महत्वपूर्ण था महात्मा गांधी की हत्या के बाद आरएसएस पर लगे प्रतिबंध के जिक्र को कम करना या बदलना। इसने हत्या के आस–पास की चर्चाओं को भी नए सिरे से तैयार किया। आलोचकों का दावा है कि इससे आजादी के बाद के भारत में चरमपंथी राजनीति पर चर्चा कमजोर होती है। एनसीईआरटी का कहना है कि जरूरी तथ्य वैसे ही हैं और संपादन तकनीकी या पढ़ाने की प्रक्रिया से जुड़े थे। आज की राजनीतिक घटनाओं से जुड़ी पाठ्य सामग्री भी हटा दी गयी। हटाए गए या काटे गए पाठों में शामिल हैंरू 2002 के गुजरात दंगों पर चर्चाय विरोध और सामाजिक आंदोलनों पर पाठ्य सामग्रीय बढ़ती असहिष्णुता पर बहस के जिक्रय और कुछ वर्ग में लोकतंत्र और असहमति पर किताबों के कुछ भाग। कुछ समाजशास्त्र और राजनीति विज्ञान की पाठ्य सामग्री कथित तौर पर कम की गयी है जिनमें शामिल हैं जाति–आधारित असमानताओं पर चर्चाय अल्पसंख्यक संघर्षों पर किताबों के कुछ भागय और भेदभाव और सांप्रदायिक संघर्ष का जिक्र करने वाले हिस्से। राष्ट्रीय शिक्षा नीति (एनईपी)2020 के बाद के दौर में, नए पाठ्यक्रमों में सभ्यता से जुड़ी कहानी की ओर बदलाव हो रहा है। भाषा की बनावट और लहजे में बदलाव हैं। ऐसे और भी कई आरोप लगे हैं जो बताते हैं कि न्यायपालिका में भ्रष्टाचार से आगे भी श्गहरी और सोची–समझी साजिशश्य फैली हुई है। इसलिए, पूरे मामले की जांच होनी चाहिए और साजिश का पर्दाफाश होना चाहिए।

एआई शिखर सम्मेलन और कोटा के कोचिंग कारखाने

जगदीश रत्तनानी

जब देश नई दिल्ली में आयोजित एआई शिखर सम्मेलन से खुश था तभी एक विश्वविद्यालय द्वारा रोबोडॉग विकसित करने के भयानक दावे ने उसे विचलित कर दिया। यह रोबोडॉग वास्तव में चीन से आयात किया गया था। इसी समय जुड़वां बच्चों ने देश का ध्यान अपनी तरफ खींचा जो प्रवेश परीक्षाओं में अच्छे अंकों के साथ उत्तीर्ण हुए थे। वे प्रवेश परीक्षाएं जो भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थानों के प्रवेश द्वार के रूप में काम करते हैं। दोनों घटनाओं में एक में झूठ की कहानी प्रस्तुत की गई है और दूसरी में बहुत प्रयास और कष्ट के बाद मिलने वाली उपलब्धि व सफलता की कहानी है। इसमें से अधिकांश कहानियां कोटा, राजस्थान की परीक्षा कोचिंग कारखानों से आती हैं। एक को हर उस चीज के रूप में देखा जाता है जो भारत के साथ गलत हैय दूसरे, आईआईटी जैसे संस्थानों द्वारा दावा जाता है, जो भारतीय तकनीकी उत्कृ ष्टता के एक उच्च स्तर की निशानी है। उम्मीद है कि जुड़वां बच्चे अच्छा प्रदर्शन करेंगे और माता–पिता और देश को गौरवान्वित करेंगे। फिर भी दो कहानियां– एक विफलता की और दूसरी उपलब्धि की– भारत के लिए समान रूप से परेशान करने वाली हैं जहां विज्ञान, प्रौद्योगिकी, इंजीनियरिंग और गणित, (एसटीईएम– स्टेम)– साईंस, टेक्नालॉजी, इंजीनियरिंग एंड मैथेमेटिक्स) स्नातकों की संख्या लगातार बढ़ रही है लेकिन रचनात्मकता, नवाचार या विश्व स्तरीय समाधानों के मामले में बहुत खराब प्रदर्शन है जो देश और छात्रों द्वारा किए गए निवेश को सही ठहरा सकता है। हमने उस निजी विश्वविद्यालय की कड़ी निंदा की है जिसने एआई से संबंधित बुनियादी ढांचे में 350 करोड़ रुपये के निवेश का दावा किया था। लेकिन चिंता उत्पन्न करने वाले कु छ मुद्दे भी हैं।

हमारे नियामक एक विश्वविद्यालय को लगभग हर नेतृत्व की स्थिति, शैक्षणिक और प्रशासनिक के साथ प्रवर्तक परिवार के सदस्य के कब्जे वाले कार्य करने की अनुमति कैसे देते हैं? जैसा कि इस मामले में आरोप लगाया गया है। आखिरकार पेटेंट फाइलिंग एक खेल कैसे बन जाता है या कोरोना वायरस को मारने के लिए बर्तनों को पीटने पर विश्वविद्यालय के तहत एक पेपर कैसे लिखा जाता है? इस घटना ने इस बात को उजागर किया कि भारत इन संदिग्ध साख वाले निजी संस्थानों द्वारा उच्च शुल्क पर चलने वाली शिक्षा प्रणाली में किस बुरी तरह फंस गया है। निजी क्षेत्र के कुछ उदाहरणों के अलावा जिनके पास उच्च मानक हैं या सार्वजनिक क्षेत्र के संस्थान जो संसाधनों और शैक्षणिक स्वतंत्रता पर भारी दबाव के बावजूद रुके हुए हैं, भारत में शेष उच्च शिक्षा क्षेत्र के बारे में बहुत कुछ नहीं कहा जा सकता। यह चिंताजनक है क्योंकि छात्रों की बड़ी संख्या सार्वजनिक संस्थानों के बजाय निजी संस्थानों में पढ़ती है। ग्लैमर और समझौता करने वाली सख्ती को जोड़कर विषमता जटिल तरीकों से खेलता है जबकि सार्वजनिक शिक्षा में घटता निवेश उन लोगों से अवसरों को दूर करता है जो निजी क्षेत्र द्वारा मांगी जाने वाली फीस का भुगतान नहीं कर सकते हैं। 2021–22 के नवीनतम उपलब्ध आधिकारिक आंकड़ों से पता चलता है कि देश में कुल विश्वविद्यालयों में सरकारी विश्वविद्यालयों की संख्या 58.6 प्रतिशत हैं जिसमें कुल नामांकन का 73.7 प्रतिशत है। निजी विश्वविद्यालय (41.4 फीसदी), स्वायत्त, डिग्री देने वाले और आम तौर पर कहीं अधिक स्तर पर फीस के साथ कुल नामांकन का हिस्सा 26.3 प्रति सैकड़ा है जो और बढ़ रहा है। लेकिन यह पूरी तस्वीर नहीं है। निजी सहायता प्राप्त और गैर–सहायता प्राप्त कॉलेजों की संख्या 78.5 प्रतिशत हैय सरकारी कॉलेज कुल कॉलेजों का 21.5 फीसदी हैं। इससे यह सामने आता है कि भारत में उच्च शिक्षा में अधिकांश नामांकन किसी न किसी रूप में निजी क्षेत्र के संस्थान में हैं। उच्च शिक्षा के निजीकरण की प्रवृत्ति अच्छी तरह से पहचानी, स्पष्ट है और अक्सर अभ्यास का विषय है। इसका खतनाक पहलू यह है कि सख्त मानदंडों और अच्छे विनियमन के अभाव में शिक्षा कुछ लोगों के लिए पैसा कमाने का जरिया बन जाएगी (जैसे अस्पतालों में पहले से ही पैसा है) जबकि भारत का बड़ा हिस्सा शिक्षित नहीं रहेगा इसलिए विकास आकांक्षाओं का समर्थन करने के लिए देश सुसज्जित नहीं होगा। शिक्षा क्षेत्र विशेष रूप से महत्वपूर्ण है क्योंकि देश शिक्षा के अपने व्यापक दृष्टिकोण के साथ नई शिक्षा नीति (एनईपी) को लागू करने की तैयारी कर रहा है जो न्यायसंगत, बहु–अनुशासनात्मक, समग्र और भारतीय लोकाचार में निहित है। यह नीति श्चरित्र निर्माण और 21वीं सदी के प्रमुख कौशल से लैस समग्र और सर्वांगीण व्यक्तियों का निर्माणश्य करने की बात करती है। सार्वजनिक निवेश के बिना इन लक्ष्यों तक पहुंचने की संभावना कम है। एक संतुलित दृष्टिकोण है जो शिक्षा क्षेत्र को सार्वजनिक भलाई के रूप में फलता–फूलता देखना चाहता है और सभी के लिए सुलभ है। फिर भी यह अविस्मरणीय है कि विशेष रूप से प्रसिद्ध एसटीईएम शिक्षा अपने आप में एक अंत बन गई है। कोटा और अन्य जगहों के प्रशिक्षण शिविरों और आईआईटी तैयारी स्कूलों में युवा वयस्कों के दबाव, रटने और कड़ी मेहनत में इसे देखा जाता है।

पिछले हफ्ते संयुक्त प्रवेश परीक्षा (जेईई) में उड़ीसा के जुड़वां भाइयों के समान अंकों के साथ उत्तीर्ण होने के बाद आयोजित समारोहों की तस्वीरें देखीं लेकिन यह भी देखा कि क्या खो गया–स्कोर प्राप्त करने के लिए बच्चों को बहुत कड़ी मेहनत करनी पड़ी जिसके बारे में माना जाता है कि यह उनके जीवन को बदल देगा (और अगले सीजन में प्रवेश परीक्षा तैयारी केंद्र में अधिक पैसा लाएगा)। लेकिन विशेष रूप से इंजीनियरों को एआई के युग में पुनर्विमुख होना होगा।

होली गीत

ऐसे रंग दे तू नंदलाल
छूटे न कभी अबीर गुलाल

हरा रंग दे,लाल रंग दे,नीला दे लगाय
सात रंग से ये धरती क्या अंबर तक रंग जाय
छूटे ना कभी अबीर गुलाल

कच्ची उमर हमारी सजना पक्का प्रीत का रंग
प्रेम पूर्णता को पाए जब प्रीत मीत हो संग
छूटे ना कभी अबीर गुलाल

तेरे रंग रंग जाने में है इस जीवन का सार
जनम सफल हो जाए जिसको रंग दे तू इक बार
छूटे न कभी अबीर गुलाल
ऐसे रंग दे तू नंदलाल

– डॉ०अवनीश यादव
पी०ई०एस०
(प्रांतीय शिक्षा सेवा संवर्ग)
उत्तर प्रदेश

होली के रंगों का बहाना पेश मोहब्बत का नजराना

रंगों का त्योहार और भारतीय सिनेमा का रिश्ता वैसा ही है, जैसे किसी कोरे कागज पर रंग बिखेर देना। हिंदी फिल्मों में होली सिर्फ एक त्योहार नहीं, बल्कि भावनाओं के उफान, दबे जज्बात और 'इजहार–ए–मोहब्बत' की स्वीकार्यता है। यह वह दिन है, जब बंदिशें रंगों की फुहार में बह जाती हैं। होली के बहाने नायक–नायिका अपने दिल की बात कह देते हैं। परदे पर होली हमेशा से प्रेम के व्याकरण को समझाने वाला मधुर प्रसंग रही है, जहां गुलाल का एक टीका प्रेम पत्र से भी ज्यादा असरदार साबित होता है। हम भारतीयों के लिए रंगों का त्योहार होली सिर्फ रंग उड़ाने तक सीमित नहीं है। यह वह सामाजिक अवसर है, जहां मर्यादाओं की कठोर लकीरें थोड़ी धुंधली हो जाती हैं और भावनाओं को अभिव्यक्ति के लिए खुला आकाश मिलता है। हिंदी सिनेमा ने इस सांस्कृतिक तत्व को बखूबी समझा और परदे पर इसे 'मोहब्बत की शुरुआत' के प्रसंग के रूप में स्थापित किया। फिल्म इतिहास में आप पाएंगे कि जो बातें बंद कमरों या संकोची मुलाकातों में नहीं हो सकीं, उन्हें फागुन की मस्ती और अबीर की परतों ने मुमकिन कर दिया। यह केवल मनोरंजन नहीं, बल्कि एक गहरा मनोवैज्ञानिक विश्लेषण है। फिल्मों में ब्लैक एंड व्हाइट दौर से ही होली को एक ऐसे 'मूड' की तरह इस्तेमाल किया गया, जहां नायक अपनी नायिका के प्रति अनुराग व्यक्त करने के लिए रंगों की आड़ लेता है। ऐसा कई फिल्मों में हुआ है। सिनेमा के शुरुआती काल में होली का चित्रण आज के मुकाबले काफी शालीन और अर्थपूर्ण था। सन 1957 की क्लासिक फिल्म 'मदर इंडिया' का गाना 'होली आई रे कन्हाई' याद कीजिए। यहां होली केवल उत्सव नहीं, बल्कि एक जीवन में खुशियों के चंद लम्हों का प्रतीक थी। उस दौर में रोमांस सीधे न होकर प्रतीकों में होता था। नायक का नायिका को सिर्फ दूर से रंग फेंकना भी प्यार का संकेत माना जाता था। वह ऐसा दौर था, जहां रंग मर्यादाओं की सीमा में रहकर भी भावनाओं को व्यक्त करते थे। इसका प्रसंग फिल्म 'कटी पतंग' में दिखाई देता है। इस होली दृश्य को हिंदी फिल्मों के सबसे भावनात्मक और अर्थपूर्ण दृश्यों में गिना जाता है। इस सीन में गीत 'आज न छोड़ेंगे बस हमजोली' के जरिए रंगों की आड़ में दबी भावनाएं सतह पर आ जाती हैं। नायक राजेश खन्ना और नायिका आशा पारेख के बीच लगाव उभरकर सामने आता है। यह दृश्य केवल रोमांस नहीं, बल्कि कथानक का मोड़ भी है। इसी तरह 'नदिया के पार' की होली बेहद सादगी भरी है। जबकि 'डर' में राहुल का जुनून रंग लगाने में दिखाई देता है। जिसमें उसकी सनक और प्यार दोनों उजागर होते हैं। दरअसल, होली ने हर बार कहानी को एक नया मोड़ दिया। जैसे–जैसे सिनेमा ने रंगों की दुनिया में कदम रखा, होली का रूप 'बोल्ड' और 'ब्यूटीफुल' होता चला गया। 70 और 80 का दशक वह मोड़ था, जहां होली 'इजहार–ए–मोहब्बत' का सबसे बड़ा मंच बनी। राज कपूर की फिल्मों में तो होली का एक अलग ही दर्शन था। 'मदर इंडिया' और 'कोहिनूर' जैसी क्लासिक फिल्मों में होली गीतों के माध्यम से प्रेम और सामाजिक सद्भाव का ताना–बाना बुना गया। उस दौर में जब प्रेम की अभिव्यक्ति संयमित होती थी, तब होली के बहाने नायक का नायिका को रंग लगाना साहस भरी और प्रेममयी घटना मानी जाती थी। तब स्पर्श की भाषा को रंगों के जरिए पवित्रता के साथ परदे पर उतारा गया। दिलीप कुमार और मीना कुमारी के किरदारों के बीच की वह तड़प होली के गीतों में अक्सर उल्लासपूर्ण स्वीकार्यता में बदल जाती थी। वक्त के साथ जैसे–जैसे सिनेमा का परदा रंगीन हुआ, उसके साथ ही होली के रंगों के जरिए प्रेम की अभिव्यक्ति और भी मुखर होती गई। 70 और 80 के दशक तक आते फिल्मों में होली एक 'प्लाट डिवाइस' बन गई। फिल्म 'शोले' में होली का दृश्य नायक–नायिका के बीच बढ़ते आकर्षण और साथ ही फिल्म के खलनायक के खास अंदाज का भी संकेत था। 'होली के दिन दिल खिल जाते हैं' गीत केवल नाच–गाना नहीं था, बल्कि वह बसंती और वीरू के बीच के अनकहे रिश्ते पर समाज की मोहर लगाने वाला क्षण था। जहां गांव और परिवार के बीच भी प्रेम को एक अलग अंदाज में स्वीकार कर लिया जाता है। फिल्मों में जब प्रेमी जोड़े के बीच संकोच की बर्फ पिघलानी होती है, कथानक में होली दृश्य रच दिया जाता है।

सावधान! एकता कपूर के नाम पर चल रहा है फेक कास्टिंग स्कैम

मनोरंजन जगत में कदम रखने का सपना देखने वाले कलाकारों के लिए एक बड़ी चेतावनी सामने आई है। मशहूर प्रोड्यूसर एकता कपूर की कंपनी बालाजी टेलीफिल्म्स ने एक आधिकारिक बयान जारी कर उन धोखाधड़ी करने वाले लोगों और सोशल मीडिया अकाउंट्स के बारे में आगाह किया है, जो कंपनी के नाम का गलत इस्तेमाल कर फेक कास्टिंग का जाल बिछा रहे हैं। शुक्रवार, 27 फरवरी को जारी इस स्टेटमेंट में एक्टर्स और डायरेक्टर्स से अपील की गई है कि वे किसी भी कास्टिंग नोटिस पर भरोसा करने से पहले उसकी सत्यता की जांच जरूर करें। कंपनी ने इस बात पर जोर दिया कि वह इन अनऑथराइज्ड एंटिटीज से जुड़ी नहीं है और एंटरटेनमेंट इंडस्ट्री में आने की उम्मीद कर रहे नए लोगों को टारगेट करने वाली बढ़ती धोखेबाजी पर चिंता जताई।

स्टेटमेंट में खास तौर पर आने वाले टीवी सीरियल्स, वेब सीरीज और फिल्मों के लिए गलत कास्टिंग कॉल्स के बढ़ने पर बात की गई। इसमें लिखा था, ष्जिस किसी को भी यह चिंता हो, बालाजी टेलीफिल्म्स लिमिटेड आम जनता को यह बताने के लिए यह फॉर्मल क्लैरिफिकेशन जारी करता है कि कई अनऑथराइज्ड लोग और फ्रॉड सोशल मीडिया अकाउंट अभी हमारी कॉर्पोरेट आइडेंटिटी का गलत इस्तेमाल करके हमारे आने वाले टीवी सीरियल, वेब सीरीज और मोशन पिक्चर्स के लिए झूठे कास्टिंग मौके पब्लिश कर रहे हैं। हम इन अलग–अलग एंटिटीज से खुद को पूरी तरह से अलग करते हैं और इस तरह के धोखेबाज तरीकों से उभरते एक्टर्स और डायरेक्टर्स की इच्छाओं का फायदा उठाने की किसी भी कोशिश की कड़ी निंदा करते हैं।

कंपनी ने इस बात पर जोर दिया कि वह वेरिफाइड चौनलों और ऑफिशियल कास्टिंग डायरेक्टर्स के जरिए सभी सही कास्टिंग प्रोसेस को सख्ती से मैनेज करती है।

> “ प्रोडक्शन हाउस के बयान में आगे साफ किया गया, कृपया ध्यान दें कि बालाजी टेलीफिल्म्स कभी भी रजिस्ट्रेशन फीस, ऑडिशन चार्ज या कोई भी पैसे जमा नहीं मांगता है

कंपनी ने कहा कि ऑडिशन प्रोसेस के हिस्से के तौर पर कभी भी पैसे नहीं मांगे जाने चाहिए या ऑफर नहीं किए जाने चाहिए। यह निर्देश ऑनलाइन स्कैम में बढ़ोतरी के जवाब में आया है, जहाँ लोगों से रजिस्ट्रेशन फीस या ऑडिशन चार्ज के नाम पर पेमेंट मांगा जाता है। प्रोडक्शन हाउस के बयान में आगे साफ किया गया, कृपया ध्यान दें कि बालाजी टेलीफिल्म्स कभी भी रजिस्ट्रेशन फीस, ऑडिशन चार्ज या कोई भी पैसे जमा नहीं मांगता है, और न ही हम अपनी ऑफिशियल जगह पर पहले से इन–पर्सन मीटिंग किए बिना कभी भी फॉर्मल एग्रीमेंट जारी करते हैं। बयान के आखिर में कहा गया, हमारे प्रोजेक्ट्स के लिए सभी सही भर्ती और कास्टिंग सिर्फ हमारे वेरिफाइड चौनलों और ऑफिशियल कास्टिंग डायरेक्टर्स के जरिए की जाती हैंय इसलिए, हम लोगों से बहुत सावधानी बरतने, सभी क्रेडेंशियल्स वेरिफाई करने और हमारी तरफ से काम करने का दावा करने वाले किसी भी अनवेरिफाइड रिप्रेजेंटेटिव के साथ पर्सनल डेटा या फंड शेयर करने से बचने की रिक्वेस्ट करते हैं।

भूत बंगला से अक्षय कुमार का वीडियो वायरल, बिना सिर वाले भूत के साथ मस्ती करते आए नजर

बॉलीवुड की सुपरहिट एक्टर–डायरेक्टर जोड़ी अक्षय कुमार और प्रियदर्शन पूरे 14 साल बाद फिल्म भूत बंगला के जरिए बड़े पर्दे पर साथ लौट रही है। हिंदी सिनेमा की कई आइकॉनिक कॉमेडी फिल्मों के बाद अब यह जोड़ी हॉरर–कॉमेडी के अंदाज में दर्शकों को एंटरटेन करने के लिए तैयार है। बालाजी मोशन पिक्चर्स के बैनर तले बन रही यह फिल्म उस पुराने दौर की सिचुएशनल कॉमेडी और बेहतरीन टाइमिंग को वापस लाने का वादा करती है, जिसने दर्शकों को सालों तक हंसाया। फिल्म को लेकर एक्साइटमेंट पहले से ही हाई थी, लेकिन हाल ही में अक्षय कुमार द्वारा शेयर किया गया एक वीडियो इंटरनेट पर छा गया। वीडियो में अक्षय एक बिना सिर वाले भूत के साथ चलते नजर आते हैं और बेहद कैजुअल अंदाज में सवाल करते हैं– क्या भूत वास्तव में होते हैं? इसके बाद भूत के साथ उनकी मजेदार बातचीत होती है। भूत कहता है कि उसे खुद नहीं पता, क्योंकि उसके पिता उसकी मां को भूत बताते थे और मां उसके पिता को! आखिर में वह इसे अफवाह बताकर बात खत्म कर देता है। डर और कॉमेडी का यह मिश्रण अक्षय की सिग्नेचर स्टाइल को पूरी तरह दिखाता है। फिल्म का पहला गाना रिलीज होते ही सोशल मीडिया पर ट्रेंड करने लगा। इस ट्रैक ने 55 मिलियन से ज्यादा व्यूज पार कर लिए हैं, जो इस बात का सबूत है कि फैंस इस जोड़ी की वापसी को लेकर कितने उत्साहित हैं।

तलाक की खबरों के बीच वायरल हुआ विजय का पुराना वीडियो

विजय–संगीता का तलाक का मामला सुर्खियों में है। अभिनेत्री ने विजय पर एक्स्ट्रा मैरिटल अफेयर का इल्जाम लगाया है। इस बीच विजय का एक पुराना वीडिया सोशल मीडिया पर काफी सुर्खियां बटोर रहा है। तमिल सिनेमा के लोकप्रिय अभिनेता और राजनीति में भी एक्टिव विजय इन दिनों अपनी निजी जिंदगी को लेकर खबरों में हैं। उनकी पत्नी संगीता ने चेंगलपट्टू फैमिली कोर्ट में तलाक की याचिका दाखिल की है, जिसमें उन्होंने विजय पर बेवफाई और मानसिक क्रूरता जैसे आरोप लगाए हैं। इसी बीच विजय का एक पुराना इंटरव्यू क्लिप सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो रहा है, जिसमें उन्होंने संगीता के बारे में कहा था कि वह विजय के फैसलों और करियर पर 'कड़ी निगरानी' रखती हैं। वीडियो में विजय बताते दिखाई देते हैं कि संगीता उनके काम को ध्यान से देखती हैं और अपने सुझाव देती रहती हैं। इसमें विजय कहते हैं कि संगीता उनके काम और फैसलों पर कड़ी निगरानी रखती हैं। इस पुराने कमेंट को अब लोग बहुत शेयर कर रहे हैं क्योंकि यह उनके तलाक के केस के बीच दोबारा चर्चा में आ गया है।

तलाक याचिका के मुताबिक, संगीता ने विजय पर बेवफाई का आरोप लगाया है। उनका दावा है कि विजय का एक अभिनेत्री के साथ अवैध संबंध था। याचिका में

कहा गया है कि अप्रैल 2021 में संगीता को पता चला कि विजय एक अभिनेत्री के साथ रिश्ते में हैं। इस खुलासे से उन्हें गहरा भावनात्मक आघात पहुंचा और मानसिक पीड़ा हुई। उन्होंने इसे वैवाहिक विश्वास का टूटना और धोखा बताया है। याचिका में आगे आरोप लगाया गया है कि विजय ने उस अभिनेत्री के साथ सार्वजनिक रूप से मेलजोल जारी रखा, जिससे संगीता को भावनात्मक कष्ट हुआ और बच्चों के सामने शर्मिंदगी भी झेलनी पड़ी।

संगीता का यह भी कहना है कि 2021 के बाद से विजय ने उनसे भावनात्मक दूरी बना ली थी। उन्होंने कथित तौर पर पत्नी के साथ अपमानजनक व्यवहार किया और ऐसी स्थिति पैदा कर दी कि संगीता को एक ही घर में अलग–थलग रहना पड़ा। याचिका में यह भी कहा गया है कि विजय उस अभिनेत्री के साथ विदेश यात्राएं और सार्वजनिक कार्यक्रमों में शामिल होते रहे। संगीता ने यह भी आरोप लगाया कि वह अभिनेत्री सोशल मीडिया पर विजय के साथ अपनी आउटिंग्स की तस्वीरें नियमित रूप से पोस्ट करती थीं। उनके अनुसार, विजय ने कभी उन पोस्ट्स का खंडन या विरोध नहीं किया, जिससे यह प्रतीत होता है कि उन्होंने अप्रत्यक्ष रूप से उन्हें स्वीकार किया।

शादी के 27 साल बाद इस मशहूर एक्टर की पत्नी ने मांगा तलाक, पूरा सच जानकर उड़ जाएंगे होश

साउथ इंडस्ट्री के सुपरस्टार थलपति विजय एक बार फिर सुर्खियों में हैं। खबर है कि उनकी पत्नी संगीता सोरनलिंगम ने उनसे तलाक लेने का फैसला किया है और उन्होंने इसकी याचिका कोर्ट में दायर कर दी है। जानकारी के अनुसार, संगीता ने विशेष विवाह अधिनियम, 1954 की धारा 27(1)() के तहत तलाक की अर्जी दाखिल की है। इस धारा के तहत पति या पत्नी किसी भी जिला न्यायालय में तलाक के लिए याचिका दे सकते हैं। इसका आधार एडल्टरी (विवाहिताधपति के अलावा किसी अन्य के साथ स्वेच्छा से यौन संबंध) होता है। यह प्रावधान दोनों पक्षों के लिए समान रूप से लागू होता है। याचिका अधिनियम के अन्य नियमों और प्रावधानों के अनुसार दाखिल की जाती है। विजय और संगीता का 27 साल पुराना रिश्ता अब टूट रहा है। वर्ष 2014 में थलपति विजय ने तमिलागा वेट्री कजम (टीवीके) नाम की राजनीतिक पार्टी की स्थापना की थी। उन्होंने इसी वर्ष एक्टिंग से रिटायरमेंट लेने का ऐलान किया था और राजनीति में कदम रखने की योजना बनाई थी। विजय ने कहा था कि वह अब फिल्म इंडस्ट्री को अलविदा कहकर जनता की सेवा एक राजनेता के रूप में करना चाहते हैं। यह ऐलान उन्होंने अपनी फिल्म 'जन नायगन' के ऑडियो लॉन्च इवेंट में किया था। जन नायगन की रिलीज को लेकर फैंस काफी उत्साहित थे, लेकिन फिल्म अभी तक दर्शकों तक नहीं पहुंच पाई है। बताया जा रहा है कि यह पिक्चर कानूनी पचड़े में फंसी हुई है।

'रूबरू' ने बढ़ाई 'डकैत' के लिए उत्सुकता, अदिवि शेष और मृणाल ठाकुर की मासूम प्रेम कहानी ने छुआ दिल

प्यार ताकतवर है। प्यार निडर है। प्यार ही रूबरू है। हाल ही में जारी किए गए इस गाने के प्रोमो ने पहले ही दिलों की धड़कनें तेज कर दी हैं और इस कालजयी प्रेम कहानी के लिए उत्सुकता को और बढ़ा दिया है। जबरदस्त भावनात्मक खिंचाव और कच्ची तीव्रता के साथ, अदिवि शेष और मृणाल ठाकुर एक ऐसी प्रेम कहानी को जीवंत करते हैं, जो संगीत थम जाने के बाद भी लंबे समय तक दिलों में बनी रहती है। डकैत बनने से पहले, वह एक आशिक था और यहीं से सब कुछ शुरू हुआ। फहीम अब्दुल्ला और चिन्मयी श्रीपादा की आवाज में, रितेश राजवाड़ा के लिखे गीत और भीम्स सेसिरोलियो द्वारा रचित आत्मा को छू लेने वाले संगीत के साथ, 'रूबरू' को एक प्रेम गान बनने के लिए तैयार किया गया है। मृणाल और शेष की मासूमियत भरी आकर्षक मौजूदगी और पर्दे पर उनके बीच का सच्चा भावनात्मक रिश्ता दर्शकों को पहले प्यार की मासूमियत और जादू की याद दिलाएगा।'रूबरू' को गाने के बारे में बात करते हुए फहीम अब्दुल्ला ने कहा, "जब मैं 'रूबरू' रिकॉर्ड कर रहा था, तो मुझे ऐसा लगा जैसे मैं किसी के प्यार की सबसे नाजुक याद में कदम रख रहा हूँ उसी की शुरुआत में। इस धुन में एक कोमलता है, लेकिन साथ ही एक गहराई भी है जो लंबे समय तक महसूस होती रहती है। मुझे लगता है कि श्रोता इस भावना को सच में महसूस करेंगे।" गायिका चिन्मयी श्रीपादा ने कहा, "रूबरू में एक शांत गहराई है, जिससे मैं तुरंत जुड़ गई। इसे दो भाषाओं में रिकॉर्ड करना सिर्फ शब्दों का सम्मान करना नहीं था, बल्कि हर संस्करण की भावनात्मक लय को समझना भी था। यही बारीकी इस अनुभव को मेरे लिए बेहद खास बनाती है। गाने के बारे में बात करते हुए अदिवि शेष ने साझा किया, "मेरे लिए संगीत भावनाओं को व्यक्त करने का सबसे शुद्ध माध्यम है। 'रूबरू' एक ऐसे प्यार को दर्शाता है जो सच्चा और संवेदनशील है। फहीम अब्दुल्ला और चिन्मयी श्रीपादा ने इसके हिंदी संस्करण को अपनी आवाज देकर इसमें जान डाल दी है। मैं दर्शकों के इस भावना को महसूस करने का इंतजार कर रहा हूँ।" मृणाल ठाकुर ने कहा, "मैं हमेशा मानती हूँ कि पहला प्यार एक खास मासूमियत लिए होता है, और 'रूबरू' उसे बेहद खूबसूरती से दर्शाता है। यह नाटकीय बनने की कोशिश नहीं करता, बल्कि भावनाओं को खुलकर सांस लेने देता है और यही बात मुझे सबसे ज्यादा छू गई।" अदिवि शेष और मृणाल ठाकुर के अलावा, फिल्म में अनुराग कश्यप भी एक महत्वपूर्ण भूमिका में नजर आएंगे, जो दमदार अभिनय के साथ एक अलग और शैली की सीमाओं को तोड़ने वाली कहानी का वादा करते हैं। शनील देवो के निर्देशन में बनी यह पहली फिल्म है। 'डकैत' का निर्माण सुप्रिया यार्लगड्डा ने किया है, सह–निर्माता सुनील नारंग हैं, और इसे अन्नपूर्णा स्टूडियोज द्वारा प्रस्तुत किया गया है। यह फिल्म हिंदी और तेलुगु में एक साथ शूट की गई है, जिसकी कहानी और पटकथा अदिवि शेष और शनील देवो ने मिलकर लिखी है। अपने भव्य पैमाने, प्रभावशाली कहानी और ऊर्जावान संगीत के साथ, 'डकैत' 10 अप्रैल 2026 को पूरे भारत में भव्य रूप से सिनेमाघरों में रिलीज होने के लिए तैयार है।

खून की कमी दूर करेगा चुकंदर का जूस, रोज एक गिलास पीने से मिलेंगे चौंकाने वाले फायदे

चुकंदर स्वास्थ्य के लिए बेहद फायदेमंद होता है। इसमें मौजूद पोषक तत्व शरीर में से खून की कमी दूर करने में मदद करते हैं। इसमें प्रोटीन, कैल्शियम, आयरन, सोडियम,पोटेशियम, जिंक, मैग्नीशियम,

फॉस्फोरस, सल्फर, तांबा, विटामिन–बी1,बी2, बी6, नियासिन काफी अच्छी मात्रा में मौजूद होते हैं। यह पोषक तत्व शरीर की कमजोरी दूर करके एनर्जेटिक रखने में मदद करते हैं। इसके अलावा यह इम्यूनिटी मजबूत करने और पाचन तंत्र को स्वस्थ रखने में भी

सहायता करता है। तो चलिए आपको बताते हैं इस जूस को पीने के फायदे...

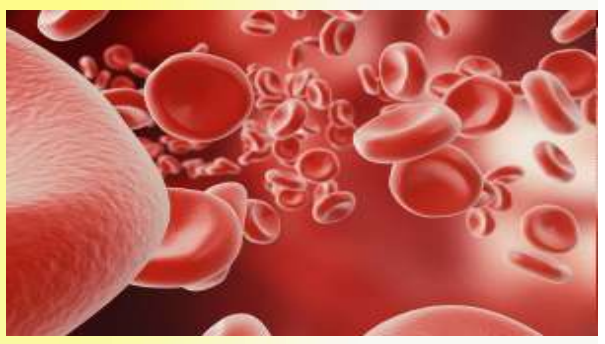

खून की बढ़एगा मात्रा

चुकंदर का जूस पीने से शरीर में खून की मात्रा बढ़ती है यह शरीर की कमजोरी दूर करने में भी मदद करता है। एनीमिया के रोगियों के लिए यह जूस बहुत ही फायदेमंद माना जाता है। यह शरीर को स्वस्थ रखने में भी मदद करता है। नियमित चुकंदर का जूस पीने से शरीर की थकावट दूर होती है।

पाचन होगा मजबूत

इसका सेवन करने से पाचन तंत्र भी मजबूत होता है। यह पेट को स्वस्थ रखने में सहायता करता है। नियमित चुकंदर का जूस पीने से गैस, एसिडिटी जैसी परेशानियां दूर होती हैं। इसके अलावा यह पेट साफ करने में भी मदद करता है। चुकंदर में पाया जाने वाला फाइबर पेट के लिए बेहद ही फायदेमंद माना जाता है।

विषाक्त पदार्थ निकलेंगे बाहर

शरीर में पाए जाने वाले डिटॉक्स पदार्थ बाहर निकालने और लीवर को हेल्दी रखने के लिए भी आप चुकंदर के जूस का सेवन कर सकते हैं। इसमें मौजूद एंटीऑक्सीडेंट्स और एंटीइंफ्लेमेटरी गुण शरीर को स्वस्थ रखने में सहायता करते हैं।

कम होगा वजन

इसमें कैलोरी काफी कम मात्रा में पाई जाती है। ऐसे में यदि आप वजन कम करना चाहते हैं तो इसे अपनी डाइट का हिस्सा बना सकते हैं। इसे पीने से पेट लंबे समय तक भरा हुआ रहेगा और आपका वजन कम होने में भी मदद मिलेगी।

ग्लोइंग स्किन के लिए

चुकंदर का जूस चेहरा चमकाने में भी सहायता करता है। इसमें एंटीइंफ्लेमेटरी गुण मौजूद होते हैं जो पिंपल्स दूर करने में सहायता करते हैं। इसका सेवन करने से स्किन हाइड्रेट रहती है और त्वचा ग्लोइंग होती है।

ब्लड प्रेशर होगा कम

रोज एक गिलास चुकंदर का सेवन करने से ब्लड प्रेशर का स्तर भी कम होता है। इसमें मौजूद नाइट्रेट शरीर में रक्त संचार बढ़ाने में मदद करता है।

बचपन से ही बच्चों को सिखाना शुरु कर दें पैसा बचाना, भविष्य में काम आएगी आदत

बढ़ते खर्चों और महंगाई के जमाने में पैसा बचाना बहुत ही जरुरी हो गया है। खासकर छोटे बच्चे पैसे की अहमियत से अंजान होते हैं जिसके चलते वह खुलकर पैसे उड़ाते हैं। ऐसे में यह पेरेंट्स का फर्ज बनता है कि वह उन्हें पैसे की बचत करना सिखाएं ताकि वह भविष्य में इसकी अहमियत समझकर ही पैसा खर्च कर सकें। इसके अलावा वह फालतू चीजों पर भी पैसा खर्च करने से पहले कई बार सोचेंगे। तो चलिए आपको बताते हैं कि आप कैसे बच्चों को पैसे बचाना सिखा सकते हैं...

जरुरत और इच्छा में बताएं फर्क

मनी सेविंग के लिए बच्चों को सबसे पहले यह सिखाएं कि इच्छा और जरुरत में फर्क क्या होता है। इच्छा के कारण कोई काम नहीं रुकता लेकिन अगर आपको किसी चीज की जरुरत है और आप उसे पूरा नहीं कर पा रहे हैं तो इसके बिना आपका काम रुक सकता है। इस बात को समझने के बाद वह पैसे की कीमत समझ पाएंगे ।

इनाम देकर बढ़ाएं हौंसला

यदि आपके द्वारा कही गई बातें बच्चे अच्छे से मान लेते हैं और पैसे को बचा लेते हैं तो आप उन्हें तोहफे के तौर पर इनाम दे सकते हैं। इनाम देने से बच्चों को अंदर उत्साह आएगा और आगे से भी ऐसे ही पैसे जोड़ना शुरु कर देंगे।

सिखाएं पैसे का महत्व

बच्चों को पैसे का महत्व सिखाएं। यदि आप उन्हें बात–बात पर पैसे देते हैं तो इस आदत को बंद कर दें। बार–बार पैसे देने से वह इसके महत्व को नहीं समझ पाएंगे। उन्हें पैसा केवल जरुरत पड़ने पर ही दें। इससे उन्हें पैसे की जरुरत पता चलेगी और वह खर्च भी सोच–समझकर करेंगे।

कुछ कमाने के लिए करें प्रेरित

उन्हें पैसे की कद्र सिखाएं बताएं कि पैसा कितनी मुश्किल से कमाया जाता है। काम कोई भी छोटा बड़ा नहीं होता। आप उन्हें उनकी मेहनत से कुछ कमाने का अवसर प्रदान कर सकते हैं। कई माता–पिता यह सोचते हैं कि इसके कारण बच्चे बिगड़ जाएंगे लेकिन नहीं मेहनत करने से वह प्रैक्टिकल बनते हैं। इसके अलावा इस आदत से वह खुद के पैर पर खड़े होकर मेहनत करना भी सीख पाएंगे।

पॉकेट मनी देने से पहले रखें ध्यान

बच्चों को पॉकेट मनी देने के लिए एक दिन रखें। हफ्ते या फिर महीने में किसी एक दिन आप उन्हें थोड़े से पैसे देस कते हैं। इसके अलावा पैसे देते समय उन्हें यह भी समझाएं कि यह किसके लिए है। पॉकेट मनी को वह कैसे इतने दिनों तक चला सकते हैं। इस बात का भी ध्यान रखें कि कभी भी उन्हें ज्यादा पैसे या फिर खुले पैसे न दें।

तेजी से वजन घटाने के लिए अपनाएं ये डाइट, कई गंभीर बीमारियों का भी टलेगा खतरा

बेहतर और स्वस्थ जीवन के लिए हमारा खानपान सही होना बहुत जरूरी है। ऐसे में अगर आप रोजाना बाहर या एक जैसी चीजों का सेवन करते हैं, तो आप अपने स्वास्थ्य के साथ खिलवाड़ कर रहे हैं। फिर चाहे वह चीजें कितनी ही हेल्दी क्यों न हों। एक्सपर्ट्स के मुताबिक आपके खाने की प्लेट में रंग–बिरंगे खाद्य पदार्थ शामिल होने चाहिए। रंग–बिरंगे खाद्य पदार्थ का सीधा मतलब तरह–तरह के फल–सब्जियों और अनाज से हैं।

रेनबो डाइट

एक्सपर्ट्स इस डाइट को रेनबो डाइट कहते हैं। जैसा कि आपको इस रेनबो डाइट के नाम से ही पता चल रहा होगा कि इस डाइट में अलग–अलग रंग की खाने की चीजें शामिल होंगी। आपको बता दें कि रंग–बिरंगे खाद्य पदार्थ यानि की रेनबो डाइट में फाइबर, जिंक, फास्फोरस, विटामिन ए (बीटा कैरोटीन), विटामिन सी, विटामिन ई, और मैग्नीशियम जैसे पोषक तत्व पाए जाते हैं। होलिस्टिक हेल्थ कोच और ईट योर केक, लोज योर वेट के लेखक अजहर अली सैयद बताते हैं कि रेनबो डाइट के जरिए आप वेट कंट्रोल करने के अलावा डायबिटीज, कैंसर, सूजन और हृदय रोग जैसी बीमारियों का खतरे को कम किया जा सकता है।

डाइट में रंगो का महत्व

खाने की हर चीज का रंग उसमें मौजूद खास केमिकल के कारण होता है और यह हमारी सेहत के लिए काफी जरूरी है। जैसे पीले नारंगी रंग की चीजों में में कैरोटीन पाया जाता है। वहीं हरे रंग की चीजों में क्लोरोफिल की मात्रा पाई जाती है। इसके साथ ही लाल और बैंगनी रंग की चीजों में एंथोसायनिन केमिकल पाया जाता है। यह सारे केमिकल्स हमारे बेहतर स्वास्थ्य के लिए काफी जरूरी होते हैं।

आसानी से होता है वेट लॉस

ज्यादातर फल–सब्जियों में कैलोरी, फैट और शुगर की मात्रा कम और फाइबर की मात्रा ज्यादा होती है। इनमें पॉलीफेनोल्स की मात्रा भी अधिक होती है। यही कारण है कि हर रोज थोड़ी–थोड़ी मात्रा में इनके सेवन से आपके वेट लॉस में आसानी होती है।

फाइबर की मात्रा

कई फलों और सब्जियों में फाइबर और पानी की भरपूर मात्रा पाई जाती है। यन फलों और सब्जियों के सेवन से आप लंबे समय तक तृप्त रहेंगे। साथ ही इन चीजों के सेवन से आप अनहेल्दी चीजें खाने से बचेंगे। क्योंकि इनमें पाई जाने वाली नैचुरल मिठास, पानी और फाइबर से आपका पेट लंबे समय तक भरा रहता है। जिससे आपका बाहर की चीजें खाने का मन नहीं करेगा।

कैलोरी की मात्रा कम

रेनबो डाइट में शामिल चीजों में कैलोरी की मात्रा काफी कम पाई जाती है। हालांकि स्वीट कॉर्न, हरी मटर, अंगूर, खजूर, केला, एवोकाडो, अंजीर, नारियल आदि में कैलोरी की मात्रा थोड़ी अधिक हो सकती है। लेकिन इन फलों में अलग–अलग पोषक तत्व पाए जाते हैं। इनमें मौजूद फाइबर आपकी भूख को लंबे समय तक मिटाएगा और मीठा खाने की इच्छा भी होगी।

स्टीम में पकाएं सब्जियां

रेनबो डाइट में शामिल सब्जियों को भाप में पकाना चाहिए और इसमें मसालों और जड़ी–बूटियों का इस्तेमाल करें। क्योंकि अगर आप इसको अन्य खाने की चीजों की तरह पकाएंगे या हाई फैट वाले ड्रेसिंग या सॉस का इस्तेमाल करने से कैलोरी और फैट की मात्रा बढ़ जाती है।

आइस क्यूब से करें स्किन की मसाज, मिलेंगे ये जबरदस्त फायदे

जब हम आइस क्यूब को किसी ड्रिंक में डालते हैं तो उसका टेस्ट कई गुना बढ़ जाता है। आमतौर पर, हम अपनी ड्रिंक को ठंडा बनाने के लिए इन आइस क्यूब का इस्तेमाल करते हैं। लेकिन क्या आपको पता है कि आइस क्यूब सिर्फ आपके टेस्ट को बढ़ाने में ही मददगार नहीं है, बल्कि इसकी मदद से आप अपनी स्किन का ख्याल भी रख सकते हैं। अमूमन हम अपनी स्किन की केयर करने के लिए तरह–तरह के महंगे प्रोडक्ट का इस्तेमाल करते हैं। जबकि अगर आप हर दिन सिर्फ एक या दो आइस क्यूब से अपनी स्किन की मसाज करें तो इससे आपकी कई स्किन प्रॉब्लम्स आसानी से सॉल्व हो सकती हैं। तो चलिए आज इस लेख में हम आपको आइस क्यूब से स्किन की मसाज करने से मिलने वाले कुछ बेमिसाल फायदों के बारे में बता रहे हैं–

क्ने को कहें अलविदा

बर्फ के सबसे अच्छे गुणों में से एक एंटी–इंफ्लेमेटरी है जो मुंहासों को कम करने और ठीक करने में मदद करता है। यह आपकी स्किन को शांत करता है और उसे सूदिंग इफेक्ट प्रदान करता है। साथ ही साथ, यह अतिरिक्त सीबम उत्पादन को भी कम करता है, जिससे आपको बार–बार एक्ने की समस्या का सामना नहीं करना पड़ता।

मिलती है ग्लोइंग स्किन

हम सभी ग्लोइंग स्किन पाना चाहते हैं और आपकी इस ख्वाहिश को पूरा करने में भी बर्फ बेहद ही मददगार है। चेहरे पर बर्फ लगाने से आपकी स्किन में ब्लड सर्कुलेशन बेहतर होता है और त्वचा में निखार आता है। यह स्किन में ऑक्सीजन के स्तर में भी सुधार करता है और आवश्यक पोषक तत्वों, विटामिनों की आपूर्ति करता है। इतना ही नहीं, बर्फ से मसाज करने से स्किन में स्किन केयर प्रोडक्ट बेहतर तरीके से अब्जॉर्ब होते हैं और इस लिहाज से स्किन कम समय में ही दमकने लगती है।

नहीं रहेंगे डार्क सर्कल्स

आंखों के नीचे डार्क सर्कल्स आपकी पूरी खूबसूरती छीन लेते हैं। लेकिन अगर आप अंडर आई एरिया में बर्फ से मसाज करते हैं तो इससे आपको डार्क सर्कल्स की समस्या से भी निजात मिलती है। इसके लिए आप गुलाब जल में खीरे का रस मिलाएं और इसे फ्रीज करके आइस क्यूब बनाएं। इस आइस क्यूब से मसाज करें। नियमित रूप से ऐसा करने से आपको जल्द ही अपनी स्किन पर असर नजर आने लगेगा।

टीम इंडिया ने हीली को क्यों दिया गार्ड ऑफ ऑनर? 158 रन की ऐतिहासिक पारी

होबार्ट। एलिसा हीली ने अपने अंतिम वनडे में 98 गेंदों पर 158 रन की धमाकेदार पारी खेली। भारतीय टीम ने उन्हें गार्ड ऑफ ऑनर देकर सम्मानित किया। 16 साल के करियर में हीली ने अब तक 7000 से ज्यादा रन और विकेटकीपर के तौर पर 269 शिकार किए। भारत के खिलाफ टेस्ट उनका आखिरी अंतरराष्ट्रीय मैच होगा। ऑस्ट्रेलिया की कप्तान एलिसा हीली ने अपने अंतिम वनडे मुकाबले को यादगार बना दिया। भारत और ऑस्ट्रेलिया के बीच होबार्ट के बेलेरीव ओवल में जारी तीसरे और सीरीज के आखिरी वनडे में जब वह बल्लेबाजी के लिए मैदान पर उतरीं, तो भारतीय महिला टीम ने उन्हें 'गार्ड ऑफ ऑनर' देकर सम्मानित किया। ब्लू जर्सी में खड़ी भारतीय खिलाड़ियों की कतार के बीच से गुजरते हुए हीली का स्वागत तालियों की गड़गड़ाहट से हुआ। यह पल दर्शाता है कि मैदान पर कड़ी प्रतिद्वंद्विता के बावजूद खिलाड़ियों के बीच सम्मान सर्वोपरि होता है। 79 गेंदों में शतक, 98 गेंद में 158 रन 35 वर्षीय विकेटकीपर–बल्लेबाज ने अपने करियर के अंतिम वनडे में 79 गेंदों पर शतक जड़ा। यह उनका आठवां वनडे शतक और भारत के खिलाफ तीसरा सैकड़ा था। इसके बाद उन्होंने और तेजी दिखाई और 98 गेंदों में 158 रन ठोक डाले, जिसमें 27 चौके और दो छक्के शामिल रहे। उनकी यह पारी वनडे करियर का दूसरा सर्वोच्च स्कोर रहा। आखिरकार 37वें ओवर में स्नेह राणा की गेंद पर वह बोल्ड हो गईं। गेंद हाई फुलटॉस थी, जिस पर उन्होंने रिवर्स स्वीप खेलने की कोशिश की, लेकिन चूक गईं। अंपायरों ने इसे वैध डिलीवरी माना। आउट होने के बाद पूरा स्टेडियम खड़ा हो गया और हीली को स्टैंडिंग ओवेशन मिला। यह एक 'मास्टरक्लास' का भावुक अंत था। भारतीय टीम का सम्मान भारतीय महिला क्रिकेट बोर्ड ने सोशल मीडिया पर इस सम्मान की तस्वीरें साझा कीं। कप्तान हरमनप्रीत कौर, जिनकी हीली के साथ वर्षों से प्रतिस्पर्धा रही है, ने भी उन्हें हाथ मिलाकर शुभकामनाएं दीं। बीसीसीआई महिला ने लिखा, श्टीम इंडिया ने खेल शुरू होने से पहले ऑस्ट्रेलिया की कप्तान एलिसा हीली को उनके अंतिम वनडे मैच पर गार्ड ऑफ ऑनर दिया।श 16 साल का शानदार करियर 2010 में अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में डेब्यू करने वाली हीली ने 16 वर्षों तक ऑस्ट्रेलिया का प्रतिनिधित्व किया। उन्होंने 10 टेस्ट में 489 रन, 123 वनडे में 3619 रन और 162 टी20 अंतरराष्ट्रीय में 3054 रन बनाए।

भारतीय घरेलू क्रिकेट में बदलाव की आहट, टी20 से रणजी तक नया इतिहास

नई दिल्ली। 2025–26 के भारतीय घरेलू क्रिकेट सत्र में इतिहास रचा गया, जहां तीनों बड़े टूर्नामेंट में पहली बार नए चौंपियन बने। झारखंड ने टी20, विदर्भ ने वनडे और जम्मू–कश्मीर ने रणजी ट्रॉफी जीतकर नया अध्याय लिख दिया। भारतीय घरेलू क्रिकेट का 2025–26 सत्र इतिहास के पन्नों में सुनहरे अक्षरों में दर्ज हो गया। इस बार तीनों घरेलू टूर्नामेंट सैयद मुश्ताक अली ट्रॉफी, विजय हजारे ट्रॉफी और रणजी ट्रॉफी में देश को नए चौंपियन मिले। टी20 में झारखंड, वनडे में विदर्भ और प्रथम श्रेणी क्रिकेट में जम्मू–कश्मीर ने पहली बार खिताब जीतकर यह साबित कर दिया कि भारतीय घरेलू क्रिकेट में अब नई ताकतें उभर रही हैं। पहली बार झारखंड बना विजेता टी20 प्रारूप में झारखंड ने ईशान किशन की कप्तानी में कमाल कर दिया। फाइनल में हरियाणा के खिलाफ टीम ने पहले बल्लेबाजी करते हुए 20 ओवर में 262 रन का विशाल स्कोर खड़ा किया। ईशान किशन ने 49 गेंदों पर 101 रन की विस्फोटक पारी खेली, जबकि कुमार कुशाग्र ने 81 रन बनाए। दोनों के बीच 177 रन की साझेदारी ने मैच का रुख पूरी तरह झारखंड की ओर मोड़ दिया। जवाब में 263 रन के लक्ष्य का पीछा करने उतरी हरियाणा की टीम शुरुआत से ही दबाव में दिखी और 193 रन पर सिमट गई।

झारखंड ने 69 रन से जीत दर्ज कर पहली बार सैयद मुश्ताक अली ट्रॉफी अपने नाम कर ली। विदर्भ ने पहली बार जीता खिताब विजय हजारे का खिताब वनडे में विदर्भ ने भी इतिहास रचा। विजय हजारे ट्रॉफी के फाइनल में टीम ने पहले बल्लेबाजी करते हुए 317 रन बनाए। अथर्व तायडे ने 128 रन की शानदार शतकीय पारी खेली और यश राठौड़ ने उनका अच्छा साथ दिया। बड़े लक्ष्य का पीछा करते हुए सौराष्ट्र की टीम ने संघर्ष जरूर किया, लेकिन विदर्भ की सधी हुई गेंदबाजी के आगे 279 रन पर रुक गई। 38 रन की जीत के साथ विदर्भ ने पहली बार यह प्रतिष्ठित खिताब अपने नाम किया। 91 साल के इतिहास में पहली बार चौंपियन बना जम्मू–कश्मीर सबसे बड़ी खबर प्रथम श्रेणी क्रिकेट से आई, जहां जम्मू–कश्मीर ने 91 साल के इतिहास में पहली बार रणजी ट्रॉफी जीत ली। कर्नाटक के खिलाफ फाइनल मुकाबला ड्रॉ रहा, लेकिन पहली पारी में 291 रन की बढ़त ने जम्मू–कश्मीर को चौंपियन बना दिया। टीम ने पहली पारी में 584 रन बनाए थे और दूसरी पारी में भी मजबूत बल्लेबाजी की। कामरान इकबाल और साहिल लोटरा की 197 रन की नाबाद साझेदारी ने कर्नाटक की उम्मीदें पूरी तरह खत्म कर दीं। मैच भले ड्रॉ रहा, लेकिन पहली पारी की बढ़त के आधार पर जम्मू–कश्मीर ने ऐतिहासिक जीत दर्ज की। इस तरह 2025–26 का घरेलू सत्र भारतीय क्रिकेट में बदलाव की आहट लेकर आया।

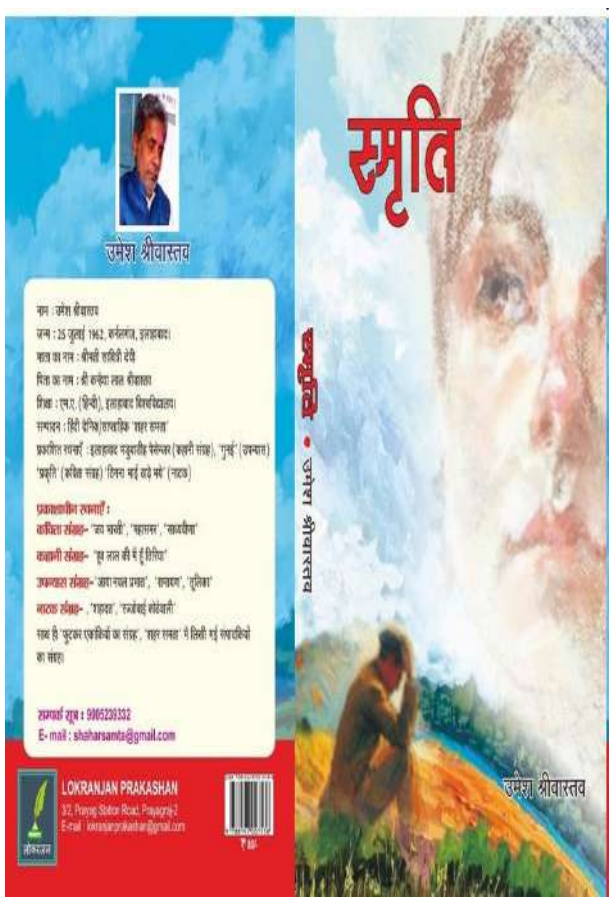

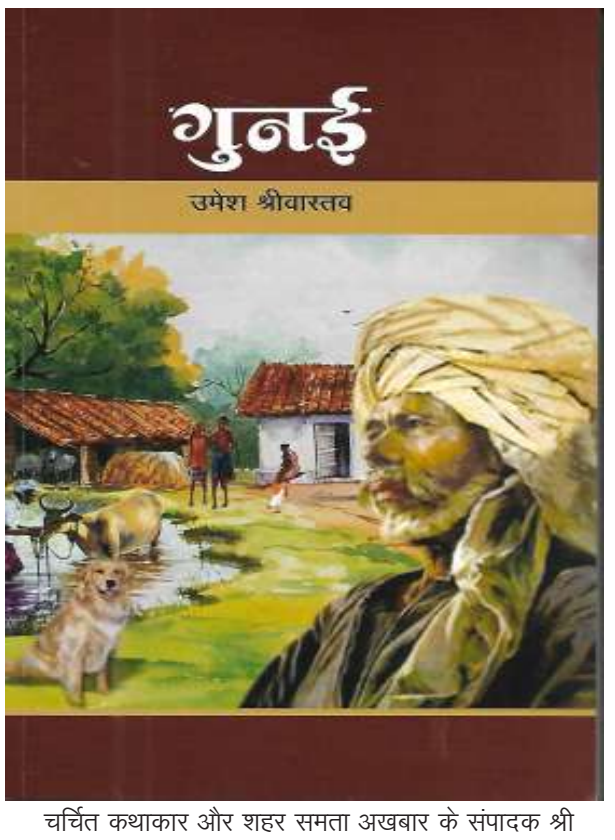

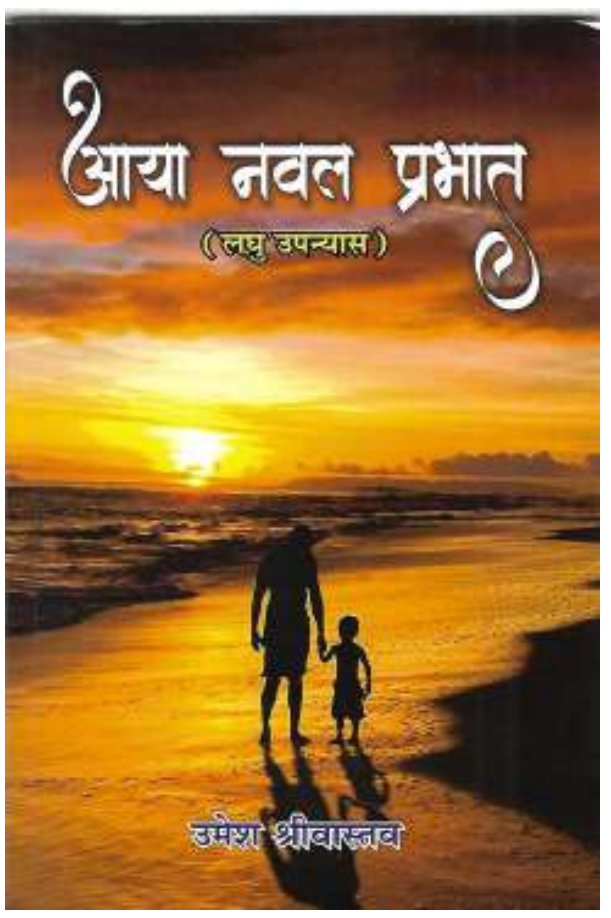

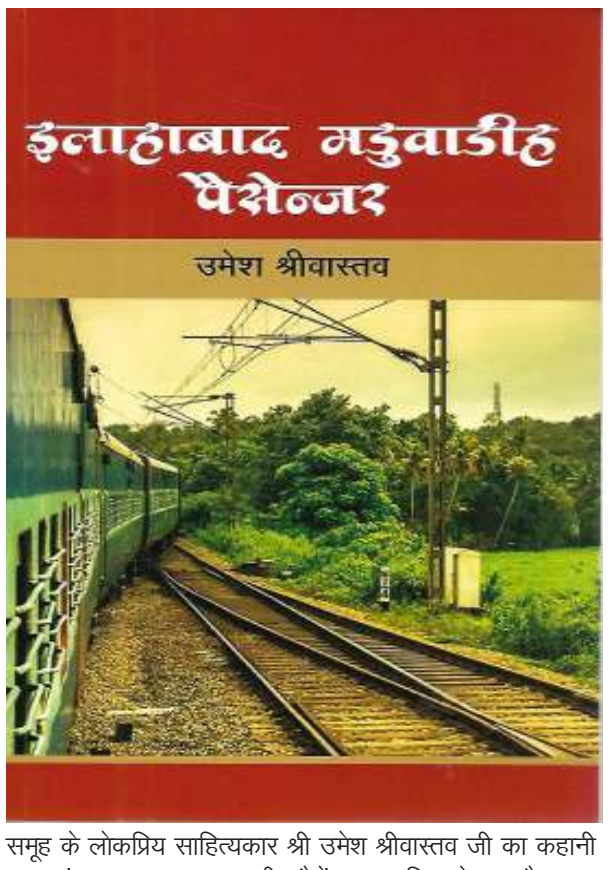

चर्चित कथाकार और शहर समता अखबार के संपादक श्री उमेश श्रीवास्तव जी का ग्रामीण पृष्ठभूमि पर लिखा बहु प्रतीक्षित

समूह के लोकप्रिय साहित्यकार श्री उमेश श्रीवास्तव जी का कहानी संग्रह इलाहाबाद मडुवाडीह पैसेंजर प्रकाशित हो गया है। उमेश श्रीवास्तव जी को बहुत बधाई एवम शुभकामना।

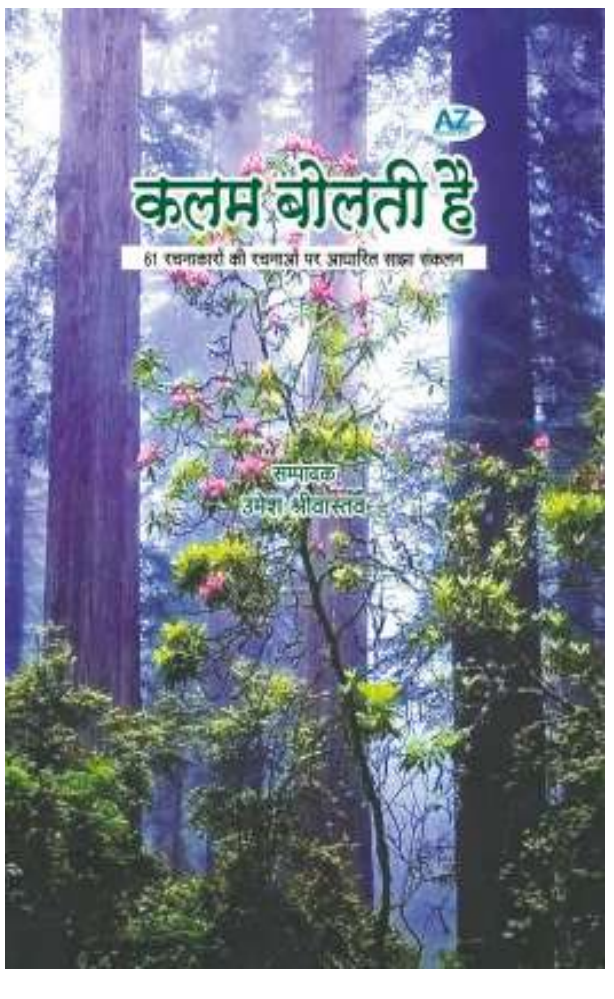

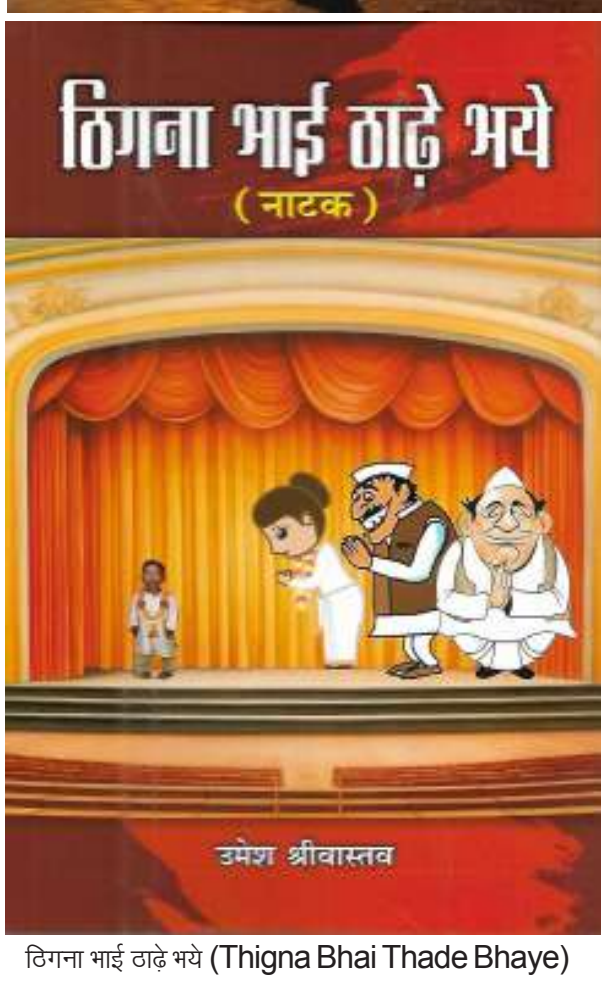

ठिगना भाई ठाढ़े भये (Thigna Bhai Thade Bhaye)

संक्षिप्त

सेमीफाइनल के लिए करो या मरो का मुकाबला

टी20 विश्व कप में सेमीफाइनल में आखिरी स्थान के लिए भारत और वेस्टइंडीज के बीच होने वाले इस मुकाबले में दोनों टीमों को स्पिन गेंदबाजी के खिलाफ अपनी तैयारी पूरी करनी होगी ताकि कोलकाता के ईडन गार्डन्स में खचाखच भरे स्टेडियम में छक्कों की बौछार देखने को मिल सके। जहां भारतीय टीम फिंगर स्पिनरों, विशेषकर ऑफ–स्पिन के खिलाफ संघर्ष कर रही है, वहीं वेस्टइंडीज को वरुण चक्रवर्ती के रूप में एक बड़े खतरे का सामना करना पड़ रहा है। कलाई के स्पिनर कोलकाता नाइट राइडर्स (केकेआर) के घरेलू मैदान पर खेल रहे हैं। भारतीय टीम को भी कलाई की स्पिन के खिलाफ संघर्ष करना पड़ रहा है। इस टूर्नामेंट में भारत ने फिंगर स्पिन के सामने 19 विकेट गंवाए हैं, केवल इंग्लैंड (22 विकेट) ने इससे अधिक विकेट गंवाए हैं। गुडाकेश मोती (छह मैचों में 15.50 के औसत से 10 विकेट), अकाएल हुसैन (पांच मैचों में 23.50 के औसत से छह विकेट) और रोस्टन चेज (चार मैचों में 21.25 के औसत से चार विकेट) की तिकड़ी भारतीय बल्लेबाजी क्रम के लिए एक बड़ा खतरा साबित हो सकती है, खासकर बाएं हाथ के बल्लेबाज अभिषेक शर्मा और तिलक वर्मा के लिए। वेस्ट इंडीज के फिंगर स्पिनरों द्वारा लिए गए ये 20 विकेट उन्हें टूर्नामेंट में तीसरी सबसे सफल फिंगर स्पिन टीम बनाते हैं, जिनसे श्रीलंका और पाकिस्तान ऊपर हैं। हालांकि, दूसरी ओर, पिछले टी20 विश्व कप के बाद से वेस्ट इंडीज ने टी20 अंतरराष्ट्रीय मैचों में रिस्ट स्पिन के हाथों 67 विकेट गंवाए हैं, जो इस अवधि में किसी भी टेस्ट खेलने वाले देश द्वारा गंवाए गए सबसे अधिक विकेट हैं। ईडन गार्डन्स में खेले गए 22 आईपीएल मैचों में चक्रवर्ती ने 24.27 की औसत से 30 विकेट लिए हैं, जिसमें उनका सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन 4ध्15 और इकॉनमी रेट 8.60 रहा है। वरुण अब तक टूर्नामेंट में भारत के लिए सबसे अधिक विकेट लेने वाले गेंदबाज रहे हैं, जिन्होंने छह मैचों में 13.09 की औसत और 7.20 की इकॉनमी रेट से 11 विकेट लिए हैं और कुल मिलाकर तीसरे सबसे अधिक विकेट लेने वाले गेंदबाज हैं। लेकिन सुपर आठ चरण में उनका प्रदर्शन उतना अच्छा नहीं रहा है। दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ चार ओवर में उन्होंने 47 रन दिए और सिर्फ एक विकेट लिया। जिम्बाब्वे के खिलाफ भी उनका प्रदर्शन निराशाजनक रहा, जहां उन्होंने चार ओवर में 35 रन देकर सिर्फ 1 विकेट लिया और उनकी इकॉनमी रेट 8.75 से अधिक रही। अगर वरुण किसी मैदान पर अपनी प्रतिभा साबित कर सकते हैं, तो वह ईडन गार्डन्स है।

ईडन गार्डन्स में करो या मरो की जंग, क्या बारिश बनेगी विलेन?

आज, 1 मार्च 2026 को टी20 वर्ल्ड कप का 52वां मैच खेला जाएगा। भारतीय टीम अपने पिछले मैच में जिम्बाब्वे को 72 रनों से रौंदकर आत्मविश्वास से लबरेज है। वहीं, वेस्टइंडीज की टीम अपने पावर–हिटर्स के दम पर भारत को कड़ी टक्कर देने के लिए तैयार है। यह मैच मेन इन ब्लू के लिए जीतना जरूरी है, क्योंकि जीत का मतलब होगा कि वे कॉम्पिटिशन के नॉकआउट स्टेज के लिए क्वालिफाई हो जाएंगे। ध्यान देने वाली बात यह है कि वेस्टइंडीज सुपर 8 ग्रुप में दूसरे नंबर पर है, जबकि भारत तीसरे नंबर पर है। दोनों टीमें पॉइंट्स में बराबर हैं, लेकिन नेट रन रेट की वजह से अलग हैं। दोनों टीमों के नाम दो–दो पॉइंट्स हैं, और जो भी जीतेगा वह टूर्नामेंट के सेमीफाइनल में पहुंच जाएगा। भारतीय टीम जिम्बाब्वे के खघ्लिाफ शानदार जीत के बाद इस मैच में उतरेगी, जहाँ उन्होंने पहली इनिंग में 256 रन बनाए थे और जिम्बाब्वे को 184 रन पर रोककर 72 रन से मैच जीत लिया था। कोलकाता वेदर रिपोर्ट जहां तक घ्मौसम की बात है, फैंस के लिए अच्छी खबर हैरू मैच के दौरान कोलकाता में बारिश की संभावना बहुत कम है या बिल्कुल नहीं है। ।बबनॅमंजीमत के अनुसार, कोलकाता में 17 परसेंट बादल छाए रहने के साथ आसमान साफ घ्रहने की उम्मीद है। रात होते–होते तापमान 27□ब के आसपास रहने की उम्मीद है, जो धीरे–धीरे गिरकर 24□ब हो जाएगा। टीमेंरू भारतरू सूर्यकुमार यादव (कप्तान), अभिषेक शर्मा, तिलक वर्मा, संजू सैमसन, शिवम दुबे, ईशान किशन, हार्दिक पांड्या, अर्शदीप सिंह, जसप्रीत बुमराह, मोहम्मद सिराज, वरुण चक्रवर्ती, कुलदीप यादव, अक्षर पटेल, वाशिंगटन सुंदर, रिंकू सिंह वेस्टइंडीजरू शाई होप (कप्तान), शिमरॉन हेटमायर, जॉनसन चार्ल्स, रोस्टन चेस, मैथ्यू फोर्ड, जेसन होल्डर, अकील होसेन, शमर जोसेफ, ब्रैंडन किंग, गुडाकेश मोटी, रोवमैन पॉवेल, शेरफेन रदरफोर्ड, क्वेंटिन सैम्पसन, जेडन सील्स, रोमारियो शेफर्ड

तूफानी पारी ने तोड़ा पाक का सपना

कप्तान दासुन शनाका (नाबाद 76) की शानदार पारी श्रीलंका को पांच रन की करीबी हार से नहीं बचा सकी लेकिन पाकिस्तान को शनिवार को यहां टी20 विश्व कप से बाहर कर दिया जिससे न्यूजीलैंड ग्रुप दो से शीर्ष पर काबिज इंग्लैंड के साथ सेमीफाइनल में पहुंच गया। श्रीलंका को लक्ष्य का पीछा करते हुए आखिरी ओवर में 24 रन चाहिए थे। श्रीलंकाई कप्तान शनाका ने शाहीन शाह अफरीदी (48 रन देकर एक विकेट) की गेंद पर लगातार तीन छक्के और एक चौका मारे जिससे आखिरी गेंद पर छह रन की जरूरत थी। लेकिन शनाका ने आखिरी गेंद को यह सोचकर छोड़ दिया कि इसे वाइड कहा जाएगा जिसे मैदानी अंपायर ने वाइड करार नहीं दिया। शनाका ने 31 गेंद की नाबाद पारी में आठ छक्के और दो चौके लगाए लेकिन अपनी टीम को जीत नहीं दिला सके। उनके अलावा पवन रत्नायके ने 58 रन की अर्धशतकीय पारी खेलीं। इससे श्रीलंका ने पाकिस्तान के आठ विकेट पर 212 रन के स्कोर के जवाब में सात विकेट पर 206 रन बनाए। पाकिस्तान को अंतिम चार में जगह बनाने के लिए न्यूजीलैंड (1.390) को नेट रन रेट से पीछे छोड़ने के लिए श्रीलंका को 147 रन के अंदर समेटना था। सलामी बल्लेबाज साहिबजादा फरहान (100) और फखर जमां (84 रन) के बीच टी20 विश्व कप इतिहास में किसी भी विकेट के लिए 176 रन की रिकॉर्ड साझेदारी से पाकिस्तान ने आठ विकेट पर 212 रन का विशाल स्कोर बनाया। 16वें ओवर में पाकिस्तान ने बिना विकेट गंवाए 176 रन बना लिए थे लेकिन टीम ने आखिरी चार ओवर में 36 रन पर आठ विकेट गंवा दिए। पाकिस्तान अगले दौर में पहुंचने के लिए श्रीलंका को कम से कम 64 रन या उससे ज्यादा रन से जीत दर्ज करनी थी। ताकि वह न्यूजीलैंड से बेहतर रहे। लेकिन अबरार अहमद के चार ओवर में 23 रन देकर तीन विकेट के शानदार स्पैल के अलावा कोई अन्य गेंदबाज अच्छा प्रदर्शननहीं कर सका।

संक्षिप्त

ऑपरेशन की पूरी कहानी, बेहद सुरक्षित परिसर में कैसे मारे गए ईरान के सर्वोच्च नेता खामेनेई

तेहरान, एजेंसी। जब आप इस खबर को पढ़ रहे होंगे, तब तेहरान के उस चर्चित और सबसे सुरक्षित परिसर के मलबे से उठा

धुआं छट चुका होगा। ...लेकिन इस मलबे के पीछे छुपा है वह राज, जिसने लगभग पांच दशक तक ईरान को अमेरिकी खतरों से बचाए रखा था। अमेरिका–इस्राइल ने तेहरान में जिस सुरक्षित परिसर को निशाना बनाया, वहां रहते थे ईरान के सर्वोच्च नेता अयातुल्ला अली खामेनेई। हमलों में उनकी मौत हो गई। सीआईए यानी अमेरिका की केंद्रीय खुफिया एजेंसी ने इस ऑपरेशन में सबसे अहम भूमिका निभाई। एजेंसी कई महीनों से अयातुल्ला खामेनेई की गतिविधियों पर नजर रख रही थी। इस दौरान उसने खामेनेई के ठिकानों और उनकी दिनचर्या के पैटर्न को समझने में धीरे–धीरे महारत हासिल कर ली। सीआईए को पता चला कि शनिवार की सुबह तेहरान के एक प्रमुख सरकारी परिसर में ईरान के शीर्ष अधिकारियों की बैठक होने वाली है। सबसे महत्वपूर्ण जानकारी यह थी कि खामेनेई खुद भी इस बैठक में मौजूद रहने वाले थे। इस इनपुट को तुरंत इस्राइल के साथ साझा किया गया। सीआईए की नजर में यह जानकारी ‘हाई फिडेलिटी’ (पूरी तरह सटीक) थी। मूल योजना के अनुसार, अमेरिका और इस्राइल रात के अंधेरे में हमला करने वाले थे, लेकिन जैसे ही सीआईए को उस बड़ी बैठक की सूचना मिली, दोनों देशों ने समय बदलने का फैसला किया। ईरान के राष्ट्रपति कार्यालय, सर्वोच्च नेता के दफ्तर और राष्ट्रीय सुरक्षा परिषद, तीनों एक ही परिसर में हैं। यहां शीर्ष नेतृत्व एक साथ मौजूद था। इसलिए हमले की टाइमिंग बदलकर शनिवार सुबह कर दी गई, ताकि एक ही झटके में सबसे बड़ी कामयाबी हासिल की जा सके।

‘एकजुट हों, बनाए स्वतंत्र और समृद्ध भविष्य’, खामेनेई की मौत के दावों के बीच ईरानी जनता से बोले रजा पहलवी

तेहरान, एजेंसी। पश्चिम एशिया में अमेरिकी और इस्राइली हमलों के बाद ईरान में तनाव चरम पर पहुंच गया है। ऐसे में ये तनाव और तब बढ़ गया जब इस्राइल के प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू और फिर अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने यह दावा किया कि हमलों में ईरान के सर्वोच्च नेता आयातुल्लाह आली खामेनेई मारे गए। इन दावों के बाद ईरान के निर्वासित शाही राजकुमार रजा पहलवी ने ईरानी लोगों को एकजुट होने और देश के लिए स्वतंत्र और समृद्ध भविष्य की दिशा में सुरक्षित संक्रमण सुनिश्चित करने का संदेश दिया। पहलवी ने कहा कि खामेनेई के उत्तराधिकारी की नियुक्ति का कोई प्रयास सफल नहीं होगा और सेना व सुरक्षा बलों से आग्रह किया कि वे गिरते शासन को बचाने की कोशिश न करें। उन्होंने जनता को सतर्क और एकजुट रहने की अपील की और कहा कि जल्द ही व्यापक जनसैनिक आंदोलन की आवश्यकता है। बता दें कि अमेरिका और इस्राइल ने मिलकर ईरान में बड़े पैमाने पर मिसाइल हमले किए। तेहरान और देश के कई बड़े शहरों में तेज धमाके सुने गए। इसके तुरंत बाद ईरान ने जवाबी कार्रवाई की और खाड़ी देशों में स्थित अमेरिकी और इस्राइली ठिकानों को निशाना बनाया। इतना ही नहीं तेहरान और अन्य स्थानों में कई विस्फोटों की खबरें मिलीं। निर्वासित ईरानी शाही राजकुमार रजा पहलवी ने शनिवार को ईरान के लोगों से एकजुट होने और एक स्वतंत्र और समृद्ध भविष्य की ओर सुरक्षित संक्रमण सुनिश्चित करने का आह्वान किया। उन्होंने कहा कि खामेनेई के उत्तराधिकारी के लिए किसी भी प्रयास की सफलता नामुमकिन है। पहलवी ने देश की सेना, पुलिस और सुरक्षा बलों से कहा कि वे गिरते हुए शासन को बचाने की कोशिश न करें और जनता के साथ मिलकर देश के भविष्य का निर्माण करें। पहलवी ने कहा कि खामनेी की मौत उन परिवारों के लिए सांत्वना हो सकती है जिन्होंने ईरान की राष्ट्रीय क्रांति के दौरान अपने प्रियजनों को खोया। उन्होंने लोगों से सतर्क रहने और एकजुट रहने की अपील की, और कहा कि जल्द ही व्यापक जनसैनिक और निर्णायक आंदोलन की आवश्यकता है। गौरतलब है कि इस घटनाक्रम के बाद पश्चिम एशिया में तनाव और बढ़ गया है। अमेरिकी और इस्राइली हमलों के बाद ईरान ने तीव्र जवाबी कार्रवाई की, जिससे क्षेत्रीय देशों में सुरक्षा स्थिति नाजुक हो गई है। विशेषज्ञ चेतावनी दे रहे हैं कि यह संघर्ष किसी बड़े क्षेत्रीय युद्ध में बदल सकता है।

युद्ध पर दो खेमों में बंटी दुनिया: बड़गाम से बर्लिन तक, कहीं खामेनेई के पक्ष तो कहीं विरोध में सड़क पर लोग

वॉशिंगटन, एजेंसी। पश्चिम एशिया में भड़की भीषण जंग ने पूरी दुनिया को दो स्पष्ट कूटनीतिक ध्रुवों में विभाजित कर दिया है। शनिवार सुबह जब अमेरिकी राष्ट्रपति ट्रंप ने ईरान के मिसाइल उद्योग व उसकी नौसेना को नेस्तनाबूद करने के लिए बड़े सैन्य अभियान की घोषणा की, तो वैश्विक राजनीति की लकीरें और गहरी हो गईं। ईरान में हुए मिसाइल हमलों के बाद वाशिंगटन ने इसे ईरानी शासन से खतरों को खत्म करने का मिशन बताया है। इस्राइली पीएम बेंजामिन नेतन्याहू ने भी इसे अस्तित्व की रक्षा के लिए उठाया गया कदम बताया। उन्होंने कहा कि इससे ईरानी जनता को अपना भाग्य खुद चुनने का अवसर मिलेगा। संघर्ष शुरू होने के बाद भारत के कश्मीर से लेकर जर्मनी व ब्रिटेन तक कहीं इसके विरोध तो कहीं पक्ष में प्रदर्शन हुए हैं।

आवश्यकता है

उत्तर प्रदेश राज्य के प्रयागराज जिले से प्रकाशित समाचार पत्र को समस्त जनपदों में एवम तहसील व ब्लॉक/शहर में ब्यूरो प्रमुख, चीफ रिपोर्टर, संवाददाता, प्रतिनिधि मण्डल की अवश्यकता है जिन्हे आकर्षण वेतन और भत्ते आदि सुविधा उपलब्ध कराई जाएगी।

सम्पर्क सूत्र
शहर समता हिन्दी दैनिक/साप्ताहिक समाचार पत्र
मोबाईल नम्बर 9190052 39332
919450482227

दुबई को नुकसान क्यों?: क्या बुर्ज खलीफा भी बना निशाना, ईरान की 137 मिसाइलें और 209 ड्रोन को यूएई ने कैसे रोका

दुबई, एजेंसी। ईरान ने अमेरिका और इस्राइल के संयुक्त हमलों के जवाब में संयुक्त अरब अमीरात पर 137 मिसाइलें और 209 ड्रोन से हमला किया। मुख्य निशाना अबु धाबी के पास स्थित अल–धफरा एयर बेस था। यूएई की मिसाइल रक्षा प्रणालियों ने अधिकांश मिसाइलें और ड्रोन हवा में ही नष्ट कर दिए, लेकिन गिरते मलबे ने दुबई के पांच प्रमुख स्थानों हवाई अड्डा, बुर्ज अल अरब, पाम जुमेराह, बुर्ज खलीफा क्षेत्र और जेबल अली बंदरगाह को नुकसान पहुंचाया। इस हमले में कुल आठ लोग घायल हुए हैं।

1. बुर्ज खलीफा के पास क्या हुआ और क्या वह सुरक्षित है? बुर्ज खलीफा सिर्फ एक इमारत नहीं, बल्कि दुबई की पहचान है। 828 मीटर ऊंची यह इमारत दुनिया की सबसे लंबी इमारत है, जिसकी अनुमानित कीमत लगभग 1.5 अरब डॉलर है। इसके 124वें, 125वें और 148वें माले पर बने डेक हर साल लाखों पर्यटकों को आकर्षित करते हैं। हमले के दिन बुर्ज खलीफा के पास जोरदार धमाके सुने गए। एक ईरानी ड्रोन इसके आसपास देखे जाने की भी खबर आई। एक वीडियो सामने आया, जिसमें इमारत के पास धुआं उठता दिखा। एहतियात के तौर पर इमारत को खाली करा लिया गया। हालांकि, यह साफ नहीं हो सका कि यह इमारत सीधे हमले का निशाना थी या नहीं और क्या इसे कोई नुकसान पहुंचा है। इस इमारत का बीमा लगभग 1.5 अरब डॉलर का है, जबकि अपार्टमेंट, होटल और दफ्तरों का बीमा उनके मालिकों ने अलग से कराया हुआ है।

2. बुर्ज अल अरब पर क्या हुआ और यह होटल इतना खास क्यों है? बुर्ज अल अरब को समझने के लिए पहले यह जानना जरूरी है कि यह सिर्फ एक होटल नहीं, दुबई की महत्वाकांक्षा का प्रतीक है। 1999 में जुमेराह बीच के पास एक कृत्रिम द्वीप पर खुला यह टॉवर दुनिया के पहले सात सितारा होटल के रूप में प्रचारित किया जाता रहा है। इस हमले में एक ड्रोन को शहर के ऊपर ही रोक लिया गया, लेकिन उसके गिरते मलबे ने होटल के बाहरी हिस्से में आग लगा दी। दुबई मीडिया ऑफिस ने इसे मामूली आग बताया।

3. पाम जुमेराह द्वीप पर क्या हुआ?

दुबई के इस कृत्रिम द्वीप पर पहले एक इमारत में आग लगी और चार लोग घायल हो गए। सोशल मीडिया पर वायरल वीडियो में फेयरमोंट होटल के बाहर धुआं और लपटें दिखीं। यह पर्यटकों के बीच खासा लोकप्रिय होटल है। इस्राइली मीडिया ने भी यहां हमले की पुष्टि की। कुछ घंटों बाद उसी इमारत के पास एक और विस्फोट हुआ। एक चश्मदीद ने ऊपर से एक ड्रोन नीचे आता देखा।

4. दुबई अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे पर क्या हुआ?

ईरान ने शनिवार को खाड़ी देशों में स्थित अमेरिकी सैन्य ठिकानों को निशाना बनाते हुए ताबड़तोड़ बैलिस्टिक मिसाइल हमले दागे मिसाइल हमलों और क्षेत्रीय तनाव के कारण सुरक्षा को सबसे पहली प्राथमिकता देते हुए दुबई एयरपोर्ट्स अथॉरिटी ने दुबई इंटरनेशनल (डीएक्सबी) और अल मकतूम इंटरनेशनल (डीडब्ल्यूसी) पर सभी उड़ानों को अनिश्चितकाल के लिए स्थगित करने का एलान कर दिया। दुबई के अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे पर रविवार को ईरान का दूसरा हमला हुआ, जिसमें चार लोग घायल हो गए। यह हमला उसी दिन हुआ जब शनिवार को अमेरिका और इस्राइल ने ईरान और अन्य शहरों पर हमले शुरू किए थे।

5. जेबल अली बंदरगाह

यहां आग लगने की खबर आई। यह बंदरगाह यूएई के सबसे महत्वपूर्ण व्यापारिक केंद्रों में से एक है। यह कोई सैन्य अड्डा नहीं है, लेकिन इसका रणनीतिक महत्व इसलिए ज्यादा है क्योंकि यह पश्चिमी में अमेरिकी नौसेना के लिए सबसे बड़ा बंदरगाह है। यहां से अमेरिकी विमानवाहक पोत और अन्य नौसैनिक जहाज नियमित रूप से आते–जाते रहते हैं। बैलिस्टिक मिसाइल 20,000 किलोमीटर प्रति घंटे से भी अधिक की रफ्तार से दूरी तय कर सकती हैं। इस गति से एक मिसाइल पूरे यूएई को महज कुछ मिनटों में पार कर सकती है। इतने कम समय में रक्षा प्रणाली को रडार से मिसाइल को पकड़ना, उसकी गति और दिशा का सटीक अनुमान लगाना होता है। फिर एक इंटरसेप्टर को उसी बिंदु पर भेजना होता है, जहां से मिसाइल गुजर रही है। जरा–सी चूक मिसाइल को बचकर निकलने का मौका दे देती है। UAE के पास दो मुख्य रक्षा प्रणालियां हैं। पहली है THAADA यह मिसाइलों को बहुत ऊंचाई पर, उनकी उड़ान के अंतिम चरण में रोकती है। यह विस्फोटकों का उपयोग नहीं करती, बल्कि सीधी टक्कर से मिसाइल को नष्ट करती है। यूएई 2022 में युद्ध में तैनात करने वाला अमेरिका के बाहर पहला देश बना। दूसरी है डब्ल्यू–104 पैट्रियट प्रणाली। यह कम ऊंचाई पर खतरों से निपटती है। दोनों प्रणालियां मिलकर एक ऐसा जाल बनाती हैं कि अगर THAAD किसी मिसाइल को ऊपर नहीं रोक पाई, तो पैट्रियट नीचे उसे रोकने की कोशिश करती है। UAE ने 137 मिसाइलें और 209 ड्रोन यानी कुल 346 खतरों को रोकने में काफी हद तक सफलता पाई, लेकिन इन्हें मार गिराने की प्रक्रिया में निकला मलबा और छर्रे जमीन पर गिरे। उन्होंने दुबई हवाई अड्डे, बुर्ज अल अरब, पाम जुमेराह और जेबल अली बंदरगाह जैसी जगहों पर नुकसान किया। भारत की ओलंपिक पदक विजेता बैडमिंटन स्टार पीवी सिंधु ने दुबई एयरपोर्ट के पास हुए एक धमाके को लेकर अपना भयावह अनुभव साझा किया। क्षेत्र में ईरान से जुड़े हमलों के कारण हालात पहले से ही तनावपूर्ण थे, इसी बीच एयरपोर्ट के पास विस्फोट होने से अफरा–तफरी मच गई। सिंधु और उनकी टीम उस समय एयरपोर्ट पर फंसी हुई थी। अचानक हुए धमाके ने वहां मौजूद सभी लोगों को हिला कर रख दिया। सिंधु ने बताया कि स्थिति हर घंटे के साथ और ज्यादा डरावनी होती जा रही है। वहीं, फिल्म जन्नत फेम अभिनेत्री सोनल चौहान दुबई में फंस गईं। जंग की वजह से उनकी उड़ान रद्द हो गई। ऐसे में उन्होंने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से मदद मांगी है। उधर, दुबई में बड़ी संख्या में इंदौर के नागरिक फंसे हुए हैं। इंदौर के कई व्यापारी और नेता हाल ही में दुबई में एक शादी समारोह में शामिल होने के लिए गए थे। इनमें दो पूर्व विधायक शामिल हैं।

खामेनेई की मौत पर पाकिस्तान में उबाल: कराची में अमेरिकी दूतावास के पास हिंसक झड़प, नौ लोगों की मौत, कई घायल

इस्लामाबाद, एजेंसी। ईरान के सर्वोच्च नेता आयातुल्लाह अली खामेनेई की हत्या के बाद पाकिस्तान के कराची शहर में हालात तनावपूर्ण हो गए। रविवार को माई कोलाची रोड स्थित अमेरिकी वाणिज्य दूतावास के पास प्रदर्शन हिंसक रूप ले बैठा और प्रदर्शनकारियों की कानून–व्यवस्था बलों से झड़प हो गई। इस प्रदर्शन में नौ लोगों की मौत और कई अन्य लोग घायल हो गए हैं। कराची पुलिस की मुख्य सर्जन सुमैया सैयद ने बताया कि प्रदर्शनकारियों और पुलिस के बीच झड़प के बाद मृतकों के शव कराची सिविल अस्पताल लाए गए। पुलिस अधिकारियों ने मृतकों की संख्या या मौत के कारण की आधिकारिक पुष्टि नहीं की है। अधिकारियों के अनुसार, प्रदर्शनकारी दूतावास के परिसर के केवल बाहरी क्षेत्र तक ही पहुंच सके थे, उसके बाद उन्हें तितर–बितर कर दिया गया। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक, स्थिति को नियंत्रित करने के लिए पुलिस ने आंसू गैस के गोले छोड़े और लाठीचार्ज किया। इस दौरान कई लोग घायल हुए। घायलों को एंबुलेंस के जरिए सिविल अस्पताल कराची पहुंचाया गया। सिंध के गृह मंत्री जियाउल हसन लांजर ने कराची के अतिरिक्त पुलिस महानिरीक्षक आजाद खान से घटना की विस्तृत रिपोर्ट तलब की है। प्रशासन हालात पर नजर बनाए हुए है। प्रदर्शनकारियों ने दूतावास की ओर कूच किया और प्रवेश करने का प्रयास किया। स्थिति को नियंत्रित करने के लिए पुलिस ने भीड़ को तितर–बितर किया, जिसमें कई लोग घायल हो गए। गौरतलब है कि शनिवार को तेहरान में हुए संयुक्त अमेरिकी–इस्राइली हवाई हमलों में खामेनेई की मौत के बाद गुस्सा भड़का। 1989 में आयातुल्लाह रुहोल्लाह खुमैनी के निधन के बाद खामेनेई ईरान के सर्वोच्च नेता बने थे और तीन दशक से अधिक समय तक देश का नेतृत्व किया।

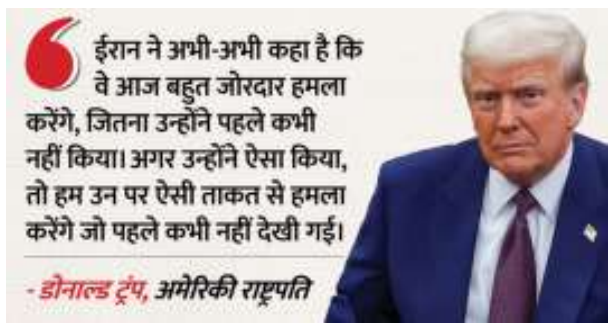

‘ईरान ने की राष्ट्रपति ट्रंप को मारने की कोशिश’, अमेरिका ने संयुक्त राष्ट्र की बैठक में किया बड़ा दावा

न्यूयॉर्क, एजेंसी। अमेरिका और इस्राइल के संयुक्त हवाई हमलों में ईरान के सुप्रीम लीडर अयातुल्ला सैयद अली खामेनेई की मौत हो गई है। कल तड़के सुबह इस्राइल ने ईरान के कई शहरों और सैन्य ठिकानों पर ताबड़तोड़ हमले किए। ये हमले ईरान के मिलिट्री बेस, एयरफील्ड और सरकारी स्थानों को निशाना बनाकर किए गए। आज भी ईरान में हमलों का दौर जारी है। इसी

बीच संयुक्त राष्ट्र (यूएन) में अमेरिका ने बड़ा दावा किया। अमेरिकी राजदूत माइक वाल्ट्ज ने कहा कि ईरानी सरकार ने अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप को सीधे और प्रॉक्सी के माध्यम से मारने की कोशिश की। यूएन सुरक्षा परिषद (यूएनएससी) में माइक वाल्ट्ज ने कहा कि ईरान 47 वर्षों से लगातार ‘अमेरिका को मौत’ का नारा दे रहा है और इस्राइल को समाप्त करने की कोशिश कर रहा था। उन्होंने ईरान पर अमेरिका और इस्राइल के खिलाफ हमले करने, यूएन चार्टर का उल्लंघन करने और मिडिल ईस्ट में शांति के लिए खतरा पैदा करने का आरोप लगाया। वॉल्ट्ज ने कहा कि ईरान ने ट्रंप को मारने के प्रयास किए और खुद को पीड़ित बताते हुए अपनी कार्रवाइयों को छिपाने की कोशिश की। उन्होंने स्पष्ट किया कि ईरान की गतिविधियां अमेरिका, उसके सैनिकों, बेस, सहयोगियों और दुनिया भर के पार्टनर्स के लिए खतरा हैं। अमेरिकी–इस्राइल ऑपरेशन को लेकर अमेरिका ने यूएनएससी में कहा कि यह यूएन चार्टर के आर्टिकल 51 के तहत, देश और उसके सहयोगियों की सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए वैध कदम है। वाल्ट्ज ने यह भी बताया कि ईरानी लोग इन हमलों पर शिकायत नहीं कर रहे हैं, बल्कि जश्न मना रहे हैं, शायद वे अपनी आजादी की उम्मीद जता रहे हैं।

प्रतापगढ़ ब्यूरो
शरद कुमार श्रीवास्तव
7/31, अचलपुर, प्रतापगढ़

संस्थापक
स्व.कन्हैया लाल
स्व.श्रीमती साधना
सम्पादक
उमेश चंद्र श्रीवास्तव
प्रबन्ध सम्पादक
अरविन्द पाण्डेय
संयुक्त सम्पादक
अनंत श्रीवास्तव
संयुक्त सम्पादक (तकनीकी)
केशव श्रीवास्तव
विधि सलाहकार
कल्पना श्रीवास्तव

अगर अटैक किया तो ऐसी ताकत से हमला करेगा, जो कभी देखा नहीं होगा’ ट्रंप की ईरान को नई धमकी

वॉशिंगटन, एजेंसी। इस्राइल और अमेरिका के संयुक्त हमलों में ईरान के सुप्रीम लीडर अयातुल्ला अली खामेनेई की मौत हो गई। ईरान ने खामेनेई की मौत का बदला लेने की धमकी देते हुए इस्राइल और अमेरिकी सैन्य अड्डों पर हमले जारी कर दिए हैं। इस बीच अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने ईरान को नई

चेतावनी जारी कर दी है। राष्ट्रपति ट्रंप ने पोस्ट में लिखा, ‘ईरान ने अभी–अभी कहा है कि वे आज बहुत जोरदार हमला करेंगे, जितना उन्होंने पहले कभी नहीं किया। लेकिन उन्हें ऐसा नहीं करना चाहिए, क्योंकि अगर उन्होंने ऐसा किया, तो हम उन पर ऐसी ताकत से हमला करेंगे जो पहले कभी नहीं देखी गई। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप द्वारा ईरान पर घातक हमला करने के फैसले का व्हाइट हाउस ने बचाव किया। इस हमले में ईरान के सर्वोच्च नेता के मारे जाने का दावा किया जा रहा है। वरिष्ठ प्रशासनिक अधिकारियों ने कहा कि मिसाइल खतरों और परमाणु गतिविधियों से संबंधित खुफिया जानकारी ने अमेरिका के पास ज्यादा विकल्प नहीं छोड़ा था। एक वरिष्ठ प्रशासनिक अधिकारी ने ऑपरेशन एपिक फ्यूरी को जवाबी कार्रवाई नहीं बल्कि पूर्व–नियोजित और रक्षात्मक कार्रवाई बताते हुए कहा कि राष्ट्रपति ने फैसला किया कि वह चुपचाप बैठकर क्षेत्र में अमेरिकी सेनाओं को पारंपरिक मिसाइलों के हमलों का सामना नहीं करने देंगे। नाम न छापने की शर्त पर बोलते हुए, अधिकारियों ने बताया कि तात्कालिक चिंता दक्षिणी क्षेत्र में ईरान की पारंपरिक मिसाइल क्षमताओं और परमाणु हथियार हासिल करने की उसकी काफी पुरानी इच्छा थी। एक अधिकारी के अनुसार, खुफिया जानकारी से संकेत मिला है कि ईरान उन मिसाइलों का इस्तेमाल हमारे खिलाफ पूर्वव्यापी तरीके से कर सकता है। अधिकारी ने कहा कि पहले हमले का इंतजार करने से हताहतों और नुकसान की संख्या काफी अधिक हो सकती थी। एक अन्य वरिष्ठ प्रशासनिक अधिकारी ने कहा कि हम उनके हाथों बंधक नहीं बनेंगे और न ही उन्हें हम पर पहले हमला करने देंगे। अधिकारियों ने ईरान पर जवाबी कार्रवाई में नागरिक बुनियादी ढांचे पर हमला करने का आरोप लगाया।

ईरान बोला- खामेनेई की मौत का लेंगे बदला,आईआरजीसी ने जारी की अमेरिकी सैन्य अड्डों पर विनाशकारी हमले की चेतावनी

तेहरान, एजेंसी। ईरान के सर्वोच्च नेता अयातुल्ला अली

खामेनेई की अमेरिका और इस्राइल के संयुक्त हमले में मौत हो गई। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक शनिवार सुबह हमले में खामेनेई मारे गए। वहीं अब अपने नेता की मौत के बाद ईरान की रिवोल्यूशनरी गार्ड (आईआरजीसी) ने बदले की चेतावनी दी है। ईरान की शक्तिशाली सैन्य इकाई इस्लामिक रिवोल्यूशनरी गार्ड कॉर्प्स (आईआरजीसी) ने घोषणा की है कि वह इस्लामी गणराज्य के इतिहास का सबसे तीव्र और विनाशकारी सैन्य अभियान शुरू करने जा रहे है, जो इस्राइल और अमेरिका के मध्य पूर्व में मौजूद ठिकानों को निशाना बनाएगा। यह जानकारी ईरान की फार्स समाचार एजेंसी ने आईआरजीसी के एक बयान के हवाले से प्रकाशित की है। आईआरजीसी ने कहा है कि यह ऑपरेशन कुछ ही पलों में शुरू होगा और इसका लक्ष्य क्षेत्र में अमेरिकी व इस्राइली सैन्य प्रतिष्ठान और अन्य महत्वपूर्ण ठिकाने होंगे। फार्स न्यूज एजेंसी के मुताबिक आईआरजीसी ने खामेनेई की मौत पर कहा है कि हमने एक महान लीडर खो दिया है और हम उनके लिए दुख मनाते हैं। बयान में कहा गया कि आईआरजीसी घरेलू और विदेशी साजिशों का डटकर सामना करेगा। जिससे साफ हो गया कि खामेनेई की मौत के बाद ईरान चुप नहीं बैठेगा। ईरान सुप्रीम लीडर के सलाहकार अली शमखानी और आईआरजीसी के कमांडर–इन–चीफ मोहम्मद पाकपुर को तेहरान पर अमेरिकी–इस्राइली हवाई हमलों में मार दिए जाने की रिपोर्ट्स सामने आई हैं। ईरान के सरकारी मीडिया का कहना है कि सर्वोच्च नेता अली खामेनेई की बेटी, पोते, बहू और दामाद इस्राइल–अमेरिकी हमलों में मारे गए हैं। ईरान के सरकारी न्यूज एजेंसी के मुताबिक खामेनेई की मौत के बाद देश भर में सात दिनों का सार्वजनिक अवकाश और 40 दिनों का शोक घोषित किया गया है।

ईरान का सैन्य नेतृत्व तबाह: अमेरिका- इस्राइल हमलों में मारे गए कमांडर- इन-चीफ, 7 अफसरों की भी मौत

तेहरान, एजेंसी। इस्राइल और अमेरिका के संयुक्त सैन्य अभियान में ईरान का सैन्य नेतृत्व तबाह हो चुका है।

इस्राइली वायु सेना ने ईरान के सैन्य ठिकानों पर बड़े पैमाने पर बम बरसाए, जिसके चलते ईरान को बड़ा नुकसान पहुंचा है। इस्राइल सेना (आईडीएफ) के दावा किया है कि हवाई हमलों में ईरानी रक्षा नेतृत्व के सात वरिष्ठ अधिकारी को मार दिया है।

शहर समता
स्वामी/प्रकाशक/मुद्रक/सम्पादक उमेश चन्द्र श्रीवास्तव द्वारा कम्पीटेन्ट बिजनेस सर्विसेज, विष्णु पदम कुटीर 115डी/2ई लूकरगंज, इलाहाबाद से मुद्रित कराकर 289/238ए,कर्नलगंज इलाहाबाद से प्रकाशित
सम्पादक
उमेश चन्द्र श्रीवास्तव
मो.नं.9005239332
आर.एन.आई.नं.
यूपीएचआईएन/2004/22466
Email : shaharsamta@gmail.com

इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं सम्पादन हेतु पी.आर.बी. एक्ट के अन्तर्गत उत्तरदायी तथा इनसे उत्पन्न समस्त विवाद इलाहाबाद न्यायालय के अधीन ही होंगे।